आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ

24 घंटे देखे यश भारत
डिजिटल न्यूज चैनल
DIGIANA NEWS 91
hathway 598
UCN NEWS HD 81

ट्रैक्टर-ट्रेलर में टक्कर 4 श्रद्धालुओं की मौत

पाली, एजेंसी। रामदेवरा (जैसलमेर) दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली को ट्रेलर ने टक्कर मार दी। इस हादसे में 4 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। हादसा शुक्रवार रात करीब सा? आठ बजे पाली जिले के सुमेरपुर थाना क्षेत्र के शिवगंज-सिरोही हाईवे (बाईपास) पर हुआ। उधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर शोक जताया है।

● वर्ष- 16 अंक 196 ● कटनी ● शनिवार, 20 अगस्त, 2022 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● भाद्रपद कृष्ण पक्ष-9 ● विक्रम संवत् 2079 शके 1935

320 लाख करोड़ में हुआ बैतूल में रेत का टेंडर!

भोपाल, यशभारत। बैतूल जिला मुख्यालय द्वारा जिले की 47 रेत खदानों के लिए 10 लाख घन मीटर रेत का टेंडर किया है। जो 320 लाख करोड़ रुपए रुपए में वंशिका कंस्ट्रक्शन को दिया गया है 320 लाख करोड़ रुपए की जो राशि बैतूल जिले की रेत खदानों के लिए टेंडर के माध्यम से निर्धारित हुई है वह भारत सरकार के वर्ष 22- 23 के बजट से आठ गुना से भी ज्यादा है जिस दर पर बैतूल कलेक्टर द्वारा रेत का यह ठेका स्वीकृत किया गया है।

यह है पूरा मामला

मई माह में बैतूल कलेक्टर द्वारा जिले की रेत खदानों के लिए टेंडर निकाले गए थे जिसमें मिनिमम रेट 25 करोड़ रुपए निर्धारित किया गया था जिसमें 10 लाख घन मीटर रेत का खनन होना था। जिसको लेकर नरसिंहपुर की फर्म वंशिका कंस्ट्रक्शन द्वारा भी टेंडर प्रक्रिया में भाग लिया गया और 32 करोड़ रुपए कीमत डाली। लेकिन प्रशासन द्वारा जो निविदा आमंत्रित की गई थी उसमें घन मीटर रेत का रेट मांगा गया था वही पूरे प्रदेश में हाई वैल्यू के आधार पर निविदा के माध्यम से निविदा कारो से रेट मांगे गए थे। जिसके चलते वंशिक कंस्ट्रक्शन द्वारा पूरे 10लाख घन मीटर रेत का रेट 32 करोड़ रुपए डाला लेकिन जब टेंडर ओपन हुआ तो बैतूल प्रशासन द्वारा 32 करोड़ रुपए रेट प्रति घन मीटर मानते हुए टेंडर 320 लाख करोड़ रुपए में पास कर दिया गया।

जमा करना है आधी राशि

जबकि हाईएस्ट रेट होने के चलते वंशिका कंस्ट्रक्शन को यह टेंडर मिल गया तो काम शुरू करने के पहले नियमानुसार उन्हें टेंडर की राशि का आधा पैसा जमा करना होता है। जोकि 320 लाख करोड़ का आधा 160 लाख करोड़ रुपए होता है। जिसे जमा करने के लिए गुरुवार को वंशिका कंस्ट्रक्शन को पत्र भेजा गया जिसके बाद कंपनी के पैरों तले जमीन खिसक गई। जो राशि बैतूल कलेक्टर द्वारा वंशिका कंस्ट्रक्शन से जमा करने कहीं जा रही है वह तो भारत सरकार के बजट को तो छोड़ दे भारत पाकिस्तान बांग्लादेश श्रीलंका नेपाल भूटान जैसे कई देशों के वार्षिक बजट से भी ज्यादा है। इस पूरे मामले में बैतूल माइनिंग अधिकारी कोई भी बात करने से इंकार कर रहे हैं वहीं वंशिका कंस्ट्रक्शन न्यायालय की शरण में जाने की तैयारी कर रहा है।

मथुरा में बांके बिहारी मंदिर में मची भगदड़

मंगला आरती के दौरान दम घुटने से 2 की मौत

मृतकों में एक जबलपुर का, पत्नी भी घायल

मथुरा, एजेंसी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार पूरे देश में धूमधाम से मनाया गया, लेकिन मथुरा के विश्व प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में दर्दनाक हादसा हो गया। देर रात हुई मंगला आरती के दौरान मची भगदड़ में दो भक्तों की मौत हो गई। जानकीर के कारण श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर ठाकुर बिहारी मंदिर में मंगला आरती के दौरान भारी भीड़ के कारण श्रद्धालुओं का दम घुटने लगा। आधा दर्जन से अधिक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना में नोएडा सेक्टर 99 निवासी निर्मला देवी और वृंदावन के रुक्मिणी विहार कॉलोनी निवासी 65 वर्षीय राम प्रसाद विश्वकर्मा की मौत हो गई। राम प्रसाद मूल रूप से जबलपुर के रहने वाले थे। वैष्णो देवी यात्रा मार्ग और भवन के आसपास शुक्रवार को भारी बारिश के कारण रोकी गई यात्रा शनिवार सुबह फिर बहार हो गई। इससे पहले भारी बारिश के कारण श्रद्धालुओं को कटरा से ऊपर जाने से रोक दिया गया था। हिमकोटी मार्ग पूरी तरह बंद है और परंपरागत मार्ग से श्रद्धालुओं को नीचे की तरफ लाया जा रहा था। भवन के पास जलभराव और पत्थर गिरने के कारण कुछ घंटे के लिए दर्शनों को बंद कर दिया गया था। भक्तों की लंबी कतारों के बीच श्राइन बोर्ड के कर्मचारी, पुलिस और सीआरपीएफ अधिकारी और जवान नियुक्त हैं। शुक्रवार को कुल 27,914 श्रद्धालुओं ने यात्रा के लिए पंजीकरण करवाया था।

मंडला का लाल सीमा पर शहीद, शाम तक गांव पहुंचेगी पार्थिव देह

त्रिपुरा में उग्रवादियों से हुई मुठभेड़, जवान की इलाज के दौरान मौत

मंडला, यशभारत। जिले का लाल सीमा की सुरक्षा करते हुए सीमा पर शहीद हो गया है। उक्त जानकारी देते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि त्रिपुरा में बांग्लादेश सीमा पर शुक्रवार को उग्रवादियों से हुई मुठभेड़ में मंडला जिले का लाल शहीद हो गया। जिसकी सूचना बीएसएफ हेड क्वार्टर द्वारा दी गई है, जिसमें बताया गया है कि बीएसएफ हेड कान्स्टेबल की पोस्ट पर तैनात गिरजेश कुमार उइे (53) जिले के बीजाडांडी विकासखंड के ग्राम चारगांव माल के रहने वाले हैं वह वर्तमान में त्रिपुरा में पदस्थ थे। मिली जानकारी में बताया जा रहा है कि गत शुक्रवार को त्रिपुरा के पानीसागर सेक्टर में सीमा चौकी सिमना द्वितीय की सीमा पर गश्त कर रहे एक दल पर उग्रवादियों ने घात लगाकर भारी संख्या में फायरिंग कर दी थी। उक्त फायरिंग में बीएसएफ हेड कान्स्टेबल गिरजेश कुमार उइे को चार गोलियां लगी थीं। उन्हें हेलिकाप्टर से अगरतला ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

सैनिक सम्मान के बीच दी जाएगी अंतिम विदाई

पुलिस विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बलिदानी गिरजेश कुमार की देह को अगरतला से कोलकाता होते हुए जबलपुर लाया जाएगा। यहां आज शाम तक पार्थिव शरीर पहुंचने की संभावना है, जिसके बाद उनके गृह ग्राम चारगांव माल में सैनिक सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी।

स्वजन में पत्नी और तीन बच्चे

ग्राम पंचायत के सरपंच से मिली जानकारी के अनुसार बलिदानी गिरजेश कुमार की पत्नी राधा देवी, दो पुत्र विपिन, तरुण और एक पुत्री चंद्रिका है। जो वर्तमान में जबलपुर में निवास करते हैं। घटना की जानकारी लगते ही वे सभी ग्राम चारगांव पहुंच गए हैं। साथ ही स्थानीय थाना का पुलिस बल भी मौके पर पहुंचा है।

आसमान से बरसी आफत, चंबा और उधमपुर में मकान ढहने से 5 की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारी बारिश के चलते हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में मकान ढहने की घटनाएं सामने आई हैं। देश के दूसरे इलाकों में भी भारी बारिश के चलते आई बाढ़ ने काफी तबाही मचाई है। हिमाचल के चंबा जिले में शनिवार सुबह बारिश के कारण हुए भूस्खलन के बाद मकान ढह गया, जिसकी चपेट में आकर तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि मंडी जिले में अचानक आई बाढ़ के चलते घरों में पानी घुस गया, जिससे कुछ ग्रामीण वहां फंस गए और कई वाहनों को भी नुकसान पहुंचा। चंबा जिला आपातकालीन अभियान केंद्र (डीईओसी) के अधिकारियों ने बताया कि चौवारी तहसील के बनेत गांव में शनिवार तड़के करीब साढ़े चार बजे भूस्खलन हुआ, जिसके बाद एक मकान ढह गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। तीनों मृतकों के शव बरामद कर लिए गए हैं।

बादल फटा, पंजाब से जोड़ने वाला रेलवे पुल टूटा

बीती रात देहरादून में बादल फटने की घटना सामने आई। यहां के मालदेवता में हुई भारी बारिश के कारण 7 घर बह गए वहीं सौंग नदी पर बना पुल टूट गया। पठानकोट की चक्की खड्ड में बाढ़ से पठानकोट-जोगिंदरनगर रेल लाइन पर बना पुल बह गया। यह पुल 1927 में बना था।

सिसोदिया की जांच में होगी ईडी की एंट्री

शराब घोटाले में PMLA के तहत 2 धाराएं लगाई

नई दिल्ली, एजेंसी। आबकारी नीति घोटाले में दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर सीबीआई का शिकंजा कस गया है। इस मामले में दो कंपनियों समेत 15 आरोपितों के खिलाफ FIR दर्ज करने के बाद CBI ने शुक्रवार को दिल्ली में सिसोदिया के सरकारी आवास को मिलाकर सात राज्यों में कुल 31 स्थानों पर छापे मारे और सघन तलाशी ली। छापे में घोटाले से जुड़े अहम दस्तावेज मिलने का दावा किया गया है। करीब 14 घंटे चली जांच के बाद मनीष सिसोदिया ने कहा है कि वे सीबीआई से नहीं डरते हैं क्योंकि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है।अब जल्द ही इस केस में प्रवर्तन निदेशालय (ED) की भी एंट्री हो सकती है। मनीष सिसोदिया पर जिन 3 धाराओं में केस दर्ज है, उनमें 2 धाराएं प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत आती हैं। ईडी के पूर्व डिप्टी डायरेक्टर सत्येंद्र सिंह का मानना है कि इस केस में अगले 1-2 दिन में ED की एंट्री हो सकती है। मनीष सिसोदिया पर इंडियन पीनल कोड की धारा 120B, 477A और प्रिवेंशन ऑफ करप्शन की धारा 7 के तहत केस दर्ज हुआ है। इनमें से IPC की धारा 120B और PC एक्ट की धारा 7 दोनों पर ED जांच में शामिल हो सकती है। ये दोनों धाराएं PMLA के तहत शेड्यूल्ड ऑफेंस में आती हैं। इस तरह के मामलों में ED फौरन कार्रवाई करती है। बता दें, दिल्ली के मुख्य सचिव ने नई आबकारी नीति में अनियमितता को उजागर किया था। इसके बाद उप राज्यपाल वीके सक्सेना ने गृह मंत्रालय से इस पूरे मामले की CBI से जांच कराने की सिफारिश की थी। एजेंसी ने मनीष सिसौदिया, आबकारी विभाग के चार अधिकारियों और दो कंपनियों समेत कुल 15 आरोपितों के खिलाफ बुधवार को FIR दर्ज किया था। इनमें दिल्ली में शराब बेचने का लाइसेंस हासिल करने वाले 10 लोग भी शामिल हैं।

FIR में घोटाले के पूरे खेल का ब्योरा, बही-खाते में फर्जी इंट्री

CBI ने भले की उपराज्यपाल की चिट्ठी को FIR का आधार बनाया हो, लेकिन इसे दर्ज करने के पहले घोटाले के पूरे खेल बारे में ठोस जानकारी जुटाई। FIR के अनुसार दिल्ली की आबकारी नीति को बनाने और लागू करने में हुई अनियमितताओं में मुंबई स्थित इवेंट मैनेजमेंट कंपनी ओनली मच लाउडर के पूर्व सीईओ विजय नायर, लखनऊ के गोमती नगर स्थित परनोड रिकार्ड के पूर्व कर्मचारी मनोज राय, दिल्ली के कालिदी कुंज स्थित ब्रींडको सेल्स के निदेशक अमनदीप ढल और जोरबाग स्थित इंडोस्पिरीट के प्रबंध निदेशक समीर महेंद्रू ने सक्रिय भूमिका निभाई थी। FIR में यह भी कहा गया है कि एल-वन लाइसेंस लेने वाली कई कंपनियों ने रिटेल वेंडर्स को क्रेडिट नोट जारी किया।

कांग्रेस ने मांगा इस्तीफा

कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने शनिवार को दिल्ली आबकारी नीति को लागू करने में भ्रष्टाचार के मामले में कथित संलिप्तता को लेकर दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के इस्तीफे की मांग की। कांग्रेस नेता अलका लांबा और अभिषेक दत्त ने भी कहा कि मनीष सिसोदिया को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

मुंबई पर 26/11 जैसा दूसरा हमला होगा...

विदेश से आया पुलिस कंट्रोल रूम को धमकी भरा फोन

मुंबई,एजेंसी। देश की आर्थिक राजधानी और मायानगरी मुंबई को फिर से दहलाने की साजिश रची जा रही है। इस संबंध में मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में विदेश से एक धमकी भरा फोन कॉल आया है। जिसमें फोन करने वाले ने धमकी देते हुए कहा है कि मुंबई में दोबारा 26 नवंबर 2008 जैसा आतंकी हमला किया जाएगा। फिलहाल इस फोन कॉल की छानबीन पुलिस द्वारा शुरू कर दी गई है। इस बात की भी जांच की जा रही है कि क्या वाकई में यह किसी आतंकी संगठन द्वारा दी गई धमकी है या फिर किसी व्यक्ति की शरारत। कई बार मुंबई पुलिस को ऐसे हॉक्स कॉल भी आते हैं। हालांकि पुलिस हर कॉल को संजीदगी से लेते हुए उसकी पड़ताल करती है।

पुंछ में मदरसा समेत कई ठिकानों पर छापा मॉड्यूल के सदस्य के खुलासे पर कार्रवाई

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने मदरसा समेत कई ठिकानों पर छापा मारा है। आतंकवाद के लिए हवाला राशि मामले में यह कार्रवाई की जा रही है। एसआईए की टीम सुबह 6 बजे से कार्रवाई में जुटी है। बस स्टैंड पर दो दिन पहले पकड़े गए मॉड्यूल के सदस्य के खुलासे पर यह कार्रवाई की जा रही है। बस स्टैंड से पकड़ा गया व्यक्ति मदरसा संचालक का ड्राइवर बताया जा रहा है।आपको बता दें कि जम्मू बस स्टैंड से गुरुवार को गिरफ्तार लश्कर सहयोगी अब्दुल हमीद को हवाला का पैसा देने वाले आरोपी को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया गया है। जम्मू और दिल्ली पुलिस ने मिलकर दिल्ली के नलबंधन टर्कमैन गेट स्थित रहने वाले मोहम्मद यासीन को दबोचा है। यासीन के कब्जे से सात लाख रुपये की हवाला राशि बरामद की गई है। यासीन कपड़ा व्यापारी है। दिल्ली के मीना बाजार में बैठ कर यासीन दुकान की आड़ में लश्कर के लिए हवाला का पैसा बाहर से लेकर जम्मू-कश्मीर में पहुंचाता था। दिल्ली और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक संयुक्त कार्रवाई में आतंकी संगठनों लश्कर-ए-ताइबा (एलईटी) और अल-बद्र को फंडिंग करने वाले यासीन को गिरफ्तार किया है।

सोमालिया में मुंबई जैसा आतंकी हमला

मोगादिशु, एजेंसी। सोमालिया की राजधानी मोगादिशु में आतंकी हमला हुआ है। आतंकियों ने एक होटल को निशाना बनाया। हमले में 8 लोगों की मौत हो गई है। 9 घायलों के घायल होने की खबर है। इस्लामी आतंकवादी समूह अल-शबाब ने हमले की जिम्मेदारी ली है। अधिकारियों के मुताबिक घायलों की संख्या बढ़ सकती है। न्यूज एजेंसी रायटर्स के मुताबिक, पहले होटल के बाहर खड़ी 2 कारों में ब्लास्ट हुए। इसके बाद आतंकी होटल में घुसे और लोगों के बीच फायरिंग शुरू कर दी। सिक्योरिटी फोर्स और आतंकियों के बीच काफी देर तक मुठभेड़ चली। हमले में मोगादिशु के खुफिया प्रमुख मुहीदीन मोहम्मद घायल हुए हैं। फिलहाल 8 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है।

प्रसूता की बिगड़ी हालत

बल्लियों पर लटकाकर तीन किमी पैदल चले ग्रामीण

तब मिला अस्पताल पहुंचने का साधन

बैतूल,एजेंसी। जिले के आमला क्षेत्र में कच्ची सड़क और नाले पर पुल ना होने से ग्रामीण एक प्रसूता को हालत बिगड़ने पर लकड़ी और कपड़े से बनाई झोली में टांगकर तीन किलोमीटर दूरी तय कर मुख्य सड़क तक ले गए। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की पोल खोलने वाला वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है। प्रसूता को आमला के अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां हालत में सुधार ना होने पर परिजन नागपुर के अस्पताल ले गए प्राप्त जानकारी के अनुसार आमला क्षेत्र में कलमेश्वरा ग्राम पंचायत का बोदुड़ रैय्यत गांव वर्षाकाल में टापू का रूप ले लेता है। गांव तक पहुंचने वाली सड़क कच्ची है और दो नाले बाढ़ आने पर राह रोक देते हैं। इस वजह से ग्रामीणों को खासी परेशानी उठानी पड़ती है। गांव में किसी के बीमार हो जाने पर अक्सर उसे कंधों पर मुख्य सड़क तक लाना पड़ता है। आमला के जितेंद्र शर्मा ने बताया कि ग्राम की सुकरती बेठेकर नामक महिला का 14 अगस्त की रात घर में प्रसव हो गया था। इसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई। तेज वर्षा जारी रहने से परिजन उसे अस्पताल नही ले जा पाए। 16 अगस्त को वर्षा थम जाने पर ग्रामीणों ने प्रसूता को लकड़ी और कपड़े से बनाई गई झोली में टांग लिया और पैदल कच्ची सड़क से होकर नाले पार कर मुख्य सड़क तक लेकर आए। वहां से निजी वाहन से उसे आमला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया। आमला के बीएमओ डा. अशोक नरवरे ने बताया कि प्रसूता को भर्ती कर प्राथमिक उपचार दिया गया था। अत्यधिक रक्त स्राव होने से जिला अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन परिजन नागपुर के किसी अस्पताल में ले गए। ग्राम के सुखलाल बेठेकर ने बताया कि पक्की सड़क और नाले पर पुल नहीं होने के कारण काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बहुत प्रयास के बाद सुदूर सड़क स्वीकृत हुई थी जो वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त हो गई है। मुख्य सड़क तक जाने वाले रास्ते में दो नाले पड़ते हैं जिन पर पुल नहीं होने से वर्षाकाल में वाहनों का आवागमन बंद हो जाता है।

सीएम पद से होगी हेमंत सोरेन की छुट्टी!

बीजेपी का दावा- झारखंड में इनकी ताजपोशी की चल रही तैयारी

रांची, एजेंसी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सीएम पद छोड़ना पड़ सकता है। खनन लीज आवंटन मामले में चुनाव आयोग में सुनवाई पूरी हो चुकी है। कभी भी आयोग फैसला दे सकता है। यदि प्रतिकूल फैसला आता है तो सोरेन को अयोग्य घोषित किया जा सकता है। ऐसे में प्रदेश की राजनीति में सरगर्मी बढ़ गई है। इसी बीच बीजेपी ने दावा किया है कि सोरेन की जगह उनकी पत्नी कल्पना को सूबे की बागडोर सौंपी जा सकती है। वहीं शनिवार को सीएम ने सत्तारूढ़ दलों के विधायकों की बैठक बुलायी है। जिसमें महागठबंधन दल के विधायकों को एकजुट रखने की कोशिश की जाएगी।

बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने दावा किया है कि झारखंड में भाभी की ताजपोशी कराई जाएगी। उन्होंने ट्वीट कर कहा, झारखंड में भाभी जी के ताजपोशी की तैयारी, परिवारवादी पार्टी का बेहतरीन नुस्खा गरीब के लिए। इससे पहले बीजेपी सांसद ने बरहेट और दुमका विधानसभा में उपचुनाव होने का दावा किया था। उन्होंने कहा था, च्झारखंड मुक्ति मोर्चा औरो कांग्रेस दिल्ली- रांची क्यों दौड़ रहा है रे भाई। हम बोले बरहेट, दुमका विधानसभा में उपचुनाव होगा तो हमको कांके भेज रहे थे? अब तो विधानसभा अध्यक्ष को कनाडा जाने से रोक दिए? इस्तीफे विकल्प है, दैइए दीजिए।

सुखाड़ को लेकर बुलाई बैठक

झामुमो नेता सुप्रियो भट्टाचार्य का कहना है कि सीएम ने सुखाड़ को लेकर बैठक बुलाई है। हालांकि झामुमो की राज्यसभा सदस्य महुआ माजी ने कहा कि बैठक विधायकों को एकजुट रखने को लेकर हो रही है। वहीं कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर का कहना है कि सभी विधायक एकजुट हैं। निलंबित तीनों विधायक भी हमारे खेमे में हैं। दूसरी ओर बीजेपी पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

प्रतिकूल स्थिति में क्या होगी रणनीति

सीएम सोरेन की विधायकी पर प्रतिकूल निर्णय की स्थिति में सरकार की रणनीति क्या होगी, कैसे इस परिस्थिति से निपटा जायेगा, इसे लेकर बैठक में सभी पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। माना जा रहा है कि तमाम परिस्थितियों में एकजुटता के साथ मजबूती से मुकाबला करने की रणनीति बनाई जाएगी। इसके लिये सत्तारूढ़ विधायक दल की बैठक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में उनके आवास पर 11 बजे से निर्धारित है। इसमें सत्तारूढ़ दल के सभी विधायकों को मौजूद रहने का निर्देश दिया गया है।

जबलपुर, कटनी, मंडला, भोपाल, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

राम वनगमन पथ कटनी को दिलाएगा नई पहचान, सरकार ने शुरु किया काम

कटनी जिले के विजयराघवगढ़ तथा बड़वारा तहसील से गुजरेगा यह मार्ग

कटनी, यशभारत। भगवान राम कटनी से होकर वन की ओर प्रस्थान किये थे। अब सरकार ने इस पूरे मार्ग को एक पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने की योजना पर तेज गति से काम शुरू किया है। राम वन गमन पथ (कारिडोर) का काम जल्द शुरू होने जा रहा है। इसके लिए धनराशि का भी प्रबंध हो गया है। पहले चरण में इस पर मूलभूत सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके लिए 300 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को अनुमति मिली है। इसमें 60 प्रतिशत राशि केंद्र और 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार देगी। काम की समय सीमा तय की जा रही है। तय सीमा में काम पूरा करने के लिए बोर्ड भी गठित किया जा रहा है। इसमें राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल रहेंगे ताकि कोई भी निर्णय लेने में विलंब न हो। इसके अलावा सरकार राम वन गमन पथ न्यास का भी गठन कर रही है।

परियोजना के पहले चरण में सड़क एवं फुटपाथ निर्माण, श्रद्धालुओं के रात्रि विश्राम के लिए स्थान, भोजन और साधना के लिए उपयुक्त वातावरण तैयार किया जाएगा। पथ पर पर्यटन बढ़ाने के भी प्रयास होंगे। कमल नाथ सरकार ने वर्ष 2019 में कार्ययोजना तैयार कर 22 करोड़ रुपये का बजट दिया था। पथ का निर्माण प्रदेश के अध्यात्म विभाग को करना था लेकिन अधिकारियों की अरुचि की वजह से इस कार्य को संस्कृति विभाग को सौंप दिया गया था। अध्यात्म विभाग में तकनीक के जानकार लोग नहीं होने का तर्क दिया गया।

रामपथ गमन में ये शहर-कस्बे

रामपथ गमन में चित्रकूट, पन्ना, विगढ़, बड़वारा (कटनी), रामघाट (जबलपुर), राम मंदिर तालाब, रामनगर मंडला, शहडोल, डिंडौरी और अमरकंटक शामिल रहेंगे।

शहरी व्यवस्था, बड़े भवन भी दिखेंगे

राम वन गमन पथ में पुरानी शहरी व्यवस्था का नमूना देखने को मिलेगा। बड़े भवनों का आर्किटेक्चर भी दिखाई देगा। यात्री निवास, बांस की झोपड़ियां, लाइट एंड साउंड-शो का भी प्रबंध किया जाएगा।

- चित्रकूट सहित राम वन गमन पथ पर पड़ने वाले सभी शहरों कस्बों का भी विकास करेगी।
- इनमें पब्लिक प्लाजा निर्माण और 30 मीटर चौड़ी सड़कें बनाना शामिल रहेगा।

धार्मिक महत्व के स्थलों के दर्शन

पथ में पन्ना के प्राणनाथ मंदिर, राम जानकी मंदिर, जुगल किशोर मंदिर, बल्देव जी मंदिर, गोविंद जी मंदिर के दर्शन होंगे। अमरकंटक में नर्मदा उद्गम, श्रीयंत्र मंदिर, पटलेश्वर महादेव, कपिलधारा, बधवारा में बांधवगढ़ नेशनल पार्क, शेष शैया, बांधवगढ़ फोर्ट, बानसागर झील, रामघाट जबलपुर में चौसठ योगिनी मंदिर, भेड़ाघाट, योगिनी मंदिर, डिंडौरी में चाड़ा, मेटल क्राफ्ट, बैंबू आर्ट, डगोना वाटर फाल भी देखने मिलेंगे।

शार्ट सर्किट से टपरे में लगी आग

दो बाइक सहित कीमती सामान स्वाहा

कटनी, यशभारत। रात के समय उस समय अफरा तफरी का माहौल निर्मित हो गया जब एक दुकान में आग लग गई। दुकान से आग की लपटें देख कर लोगों की भीड़ जमा हो गई और सूचना दुकान संचालक को दी गई। वहीं विजयराघवगढ़ नगर परिषद में खबर देकर फायर बिग्रेड की सहायता ली गई, जिसके बाद दमकल वाहन के साथ फायर मैन पंकज शुक्ला व राजू तिवारी ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने की कवायद प्रारंभ कीए लेकिन जब तक आग पर काबू पाया जा सका तब तक दुकान के अंदर रखा कीमती सामान खाक में मिल चुका था। घटना विजयराघवगढ़ के बंजारी मोड़ के समीप की है जहां बंजारी निवासी फैजुद्दीन उर्फ फज्जू के छोटे पुत्र जो मोटरसाइकिल मैकेनिक है उसकी दुकान में शार्ट सर्किट से आग लग गई। फैजुद्दीन द्वारा बताया गया कि दुकान के अंदर सुधार कार्य के लिए रखी दो मोटरसाइकिलों के अलावा कीमती सामान रखा था, जो आग की लपटों स्वाहा हो गया। आगजनी में नष्ट हुए सामान की कीमत 2 से ढाई लाख रूपए बताई गई है।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

कटनी, यशभारत। कुठला थाना क्षेत्र अंतर्गत खरखरी नंण् 01 मोड के पास एक युवक की एक्सीडेंट में मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार नारायण गडारी पिता विश्वनाथ गडारी 48 वर्ष निवासी ग्राम खरखरी 01 थाना कुठला की मोटर साइकिल क्रमांक एमपी 21 एमपी 6739 की ठोकर लगने से मौत हो गई। इसी तरह कैमोर थाना क्षेत्र अंतर्गत मेहगांव यात्री प्रतीक्षालय के पास सतपाल उर्फ बुद्धू पंजाबी पिता स्वण् होताराम पंजाबी 48 वर्ष निवासी श्रमधाम स्कूल के पास ग्राम अमेहटा की रोड एक्सीडेन्ट में मौत हो गई है। इसी प्रकार बाकल थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम राजासलैया में कलिया बाई पति दुलीचन्द झारिया 45 वर्ष निवासी रतनपुरा थाना बाकल की एक्सीडेन्ट से आई चोट के कारण इलाज दौरान मौत हो गई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामलों को जांच में लिया है।

जहरीले जंतु के काटने से युवक की मौत

कटनी, यशभारत। रीठी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पटेहरा में एक युवक की खेत में जहरीले जंतु के काटने से मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार नारायण लोधी पिता चैना लोधी 38 वर्ष निवासी ग्राम पटेहरा खेत में काम कर रहा थाए तभी जहरीले जंतु के काटने से मौत हो गई। प्रधान आरक्षक राजकुमार शर्मा ने बताया कि शवका पीएम कराते हुए मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

करंट लगने से युवक की मौत

कटनी, यशभारत। बाकल थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पाकर में करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार नरेन्द्र सेन पिता सियाराम सेन 27 वर्ष निवासी ग्राम पाकर की करंट लगने से मौत हो गई है। सहायक उप निरीक्षक अजय सिंह बैस ने बताया कि शव का पीएम कराते हुए मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

माधवनगर में जाम से परेशान हो रहे लोग

कटनी, यशभारत। शहर के उपनगरीय क्षेत्र माधवनगर की यातायात व्यवस्था कई दिनों से अराजक बनी हुई है। मुख्य मार्ग में पूरे दिन जाम की स्थिति बनती है, ऐसे में जल्दी गंतव्य तक पहुंचने वाले राहगीर जाम में ही फंसे रहते हैं। माधवनगर के ऑटो स्टैंड के पास सबसे ज्यादा समस्या गंभीर है। ऑटो सड़क किनारे आड़ी खड़े होने व सामने दुकानों की सामग्री फुटपाथ तक फैली होने व उसके बाद ग्राहकों की पार्किंग के कारण सड़क संकीर्ण हो जाती है और यहां पर दिनभर वाहन रेंगते हैं।

निजी संस्था ने नापी सड़क तो पता लगा शहर में 70 से 80 फीट के मार्ग पर पसरा है अतिक्रमण

कटनी, यशभारत। शहर की सड़कों में आए दिन जाम लग रहा है। इससे आम नागरिक परेशान हो रहे हैं। इसको लेकर शहर के समाजसेवी संघ भी अब मुखर होने लगे हैं। इस मुद्दे को शहर के विकास से जुड़े नागरिकों ने उठाया है। विकास संघ के सदस्यों ने यह भी कहा कि जिला प्रशासन से बताया जाता है संकरी सड़कों के कारण जाम लग रहा है, जबकि स्टेशन रोड से मिशन तक सड़क की चौड़ाई 70 फीटर से लेकर 88 फीट तक है। इतनी चौड़ी सड़कों पर आसानी से आवागमन सुगम हो सकता है, लेकिन अतिक्रमण और नगर निगम और यातायात पुलिस की उदासीनता से शहर की सड़कों पर हर समय जाम की स्थिति बनती है। कटनी विकास संघ के पदाधिकारी सुयश पुरवार ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा ऐसा बताया जाता है जैसे कि सड़कों

पर जाम लगना तो सामान्य घटना है सड़कें तो है ही संकरी। इसी गलतफहमी को कटनी की जनता, नेताओं व जिला प्रशासन के सामने लाने के लिए कटनी विकास संघ की टीम ने कटनी की मुख्य सड़को की नाप की। जिसके परिणाम चैकाने वाले थे। नाप में स्टेशन रोड की चौड़ाई 74 फीट निकली, तो वही पोस्ट ऑफिस के सामने यह चौड़ाई 88 फीट तक है। वहीं जिला प्रशासन जिस मॉडल रोड़ को फोर लेन सड़क बोलता है, और वास्तव में जिस बरगवां से 4 ट्रक एक बार मे आराम से निकलते हैं, डामल सड़क की चौड़ाई नाप में सिर्फ 61 फीट ही निकली है। शहर की एक मात्र मैंन रोड, रेड जोन सड़क 74 फीट चौड़ी होने के बावजूद ऐसी बदतर हालात में है कि हर जाम लगता है। विकास संघ के पदाधिकारी सुयश पुरवार ने बताया कि किसी छोटी कार की चौड़ाई 4.5 फीट होती है, इनोवा जैसी बड़ी कार की चौड़ाई 6 फीट होती है, और हमारे कटनी की स्टेशन रोड 74 फीट, कमानिया गेट के पास सड़क 70 फीट चौड़ी, पोस्ट ऑफिस के सामने सड़क 88 फीट चौड़ी है। कटनी शहर की सड़कों की पर आए दिन लग रहे जाम को लेकर कटनी विकास संघ की टीम ने मुख्य रूप से अतिक्रमण को जिम्मेदार ठहराया है। विकास संघ के सदस्यों ने इसके लिए शहर की सड़कों की नाप भी की।

एमएसओ के प्रदेश अध्यक्ष बने शफीक उल्लाह खान

कटनी, यशभारत। मुस्लिम स्टूडेंट्स ओर्गनाईजेशन ऑफ इण्डिया (एम.एस.ओ.) जो कि भारत की सोसायटी में रजिस्टर्ड है। जिसकी स्थापना अलीगढ़ मुस्लिम यूनिर्वसिटी में 1977 को की गई थी। जिसका उद्देश्य युवाओं और छात्रों में शिक्षा को बढावा देने के उद्देश्य से कार्य करना है। इसमें युवाओं को स्कूली व धार्मिक विषयों के संबंध में फ्री ट्यूशन क्लास दी जाती है। इसी तारतम्य में एम. एस. ओ. द्वारा अपने उद्दयों को पूरा करते हुये अब कटनी जिले में भी इकाई का गठन किया जाना है। जिसमें एम. एस. ओ. के प्रदेश अध्यक्ष जनाब अमान शेख द्वारा शफीक उल्लाह खान निवासी ईश्वरीपुरा वार्ड, कटनी को जिला अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया है। जनाब अमान शेख ने इस महत्पूर्ण जिम्मेदारी को सौंपते हुये ओर्गनाईजेशन के उद्देश्यों की बेहतर तरीके से पूर्ति करने एवं इस जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा से निर्वाहन करने की कामना की है। साथ ही पखवाडे अंतर्गत जिला स्तरीय कमेटी के सहाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, सदस्यों का चयनित कर कमेटी गठित करने का आदेश दिया है।

रेल कोच में आग को गंभीरता से लिया रेल मंत्रालय ने, साजिश के एंगल से जांच

कटनी, यशभारत। रेलवे स्टेशन के वाशिंग पिट में खड़े दो कोच में अचानक आग भड़क गई। गुरुवार दोपहर बाद हुए हादसे से हड़कंप की स्थिति बन गई। आनन-फानन में फायरवाहन बुलाकर आग पर काबू पाया गया। आग क्यों लगी, कैसे लगी इसके लिए जांच समिति बनाई गई है। रेलवे इसका भी आंकलन कर रहा है कि नुकसान कितने का हुआ। इसे रेल मंत्रालय ने काफी गंभीरता से लिया है। जांच में यह पता लगाने की कोशिश हो रही है कि यह किसी साजिश का परिणाम तो नहीं। आपको बता दें कि कटनी रेलवे स्टेशन पूरे देश में संवेदनशीन रेल स्टशनों में शामिल है ऐसे में आखि कैसे रेल कोच में आग लग गई इसे रेलवे के अधिकारी महज दुर्घना नहीं मान रहे बल्कि इसे लेकर साजिश का एंगल भी तलाश रहे हैं। जानकारी के अनुसार कटनी रेलवे स्टेशन में वाशिंग पिट में खड़े दो कोच इस आगजनी की घटना से प्रभावित हुए। इस घटना से रेलवे को बड़े नुकसान की आशंका है। कटनीमें स्थित मुख्य रेलवे स्टेशन कटनी जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर 5 के बाजू में स्थित रेलवे साइडिंग में ये कोच खड़े थे। बताया जा रहा है कि, जिस समय कोचों में आग भड़की तब ये दोनों ट्रेनें खाली खड़ी थीं। आगजनी की इस घटना के बाद स्टेशन परिसर पर मौजूद यात्रियों में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार कटनी रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 6 के पीछे वॉशिंग पिट है। इस बीच, रेलवे के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड को बुलाया।

शिक्षकों को आदेश

समीक्षा बैठक में कलेक्टर दिखे स्कूल शिक्षा व्यवस्था के प्रति चिंतित

कटनी, यशभारत। समीक्षा बैठक में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा जिले की स्कूल शिक्षा व्यवस्था के प्रति चिंतित दिखे। उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा के प्रति किसी भी लापरवाही को वह बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसके अलावा कलेक्टर श्री मिश्रा शिक्षकों के समय पर स्कूल न पहुंचने पर चिंता जाहिर की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि 11 बजे चक प्रत्येक स्कूल में शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित की जानी चाहिए। इसके अलावा कलेक्टर ने निर्देश दिए कि स्कूलों के निरीक्षण के बाद निरीक्षण अधिकारी जो टीप लिखते हैं उसे गूगल ड्राइव में सुरक्षित रखा जाए। कलेक्टर ने कहा कि जनशिक्षक 11 बजे तक उपस्थिति लेने के बाद जानकारी बीआरसी को उपलब्ध कराएं।

उपलब्ध जानकारी के आधार पर दिनभर में कभी भी शिक्षकों की उपस्थिति का सत्यापन कराया जा सकता है। यह व्यवस्था जल्द से जल्द सुनिश्चित करें। यह निर्देश कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने गुरुवार शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में दिए। कलेक्टर ने कहा कि एमआरसी, जनशिक्षकों का सत्यापित दौरा कार्यक्रम बनाएं और

जनशिक्षक, एमआरसी, बीएसी द्वारा स्कूलों के निरीक्षण के दौरान जो टीप अंकित की जाती हैं, उनकी फोटो खींचकर गूगल ड्राइव पर रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करें ताकि उसे कहीं पर भी देखा जा सके। उन्होंने निरीक्षण का फार्मेट तय करने के भी निर्देश बैठक में दिए। कलेक्टर ने कहा कि निरीक्षण के दौरान अधिकारी यह देखें कि स्कूल में लाइट, पानी, हैंडवाश यूनिट है कि नहीं, यदि लाइट है तो पंखे और प्रकाश की क्या व्यवस्था है, यह भी सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने समीक्षा बैठक के दौरान यह निर्देश भी दिए कि स्कूलों में अभियान चलाकर छात्रों की किताबों में कवर चढ़ाने का कार्य कराया जाए, जिससे बच्चों की पुस्तकें खराब न हों। इसके अलावा लगातार अनुपस्थित रहने वाले छात्रों के पालकों से शिक्षकों, जनशिक्षकों को संपर्क करने और बच्चे को स्कूल फिर से लाने के प्रयास करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने जिले के शिक्षकों की कैटेगरी निर्धारित करने के निर्देश दिए। जिसमें जिन शिक्षकों को अध्यापन कार्य में अधिक कठिनाई है, उनका डाइट के माध्यम से प्रशिक्षण कराने के निर्देश दिए गए। कन्या शिक्षा परिसर की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने शिक्षकों की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। डाइट की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने कहा कि संसाधनों की कमी नहीं है। उन्होंने परिसर का जीर्णोद्धार कराने के निर्देश प्रदान किए। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी पीपी सिंह, डीपीसी केके डेहरिया सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

पौधरोपण कर मनाया वर्ल्ड फोटाग्राफी दिवस

कटनी, यशभारत। शहर के कई फोटाग्राफर्स ने आज 19 अगस्त 2022 को वर्ल्ड फोटोग्राफी डे मनाया गया। इस अवसर पर यूथ फोटोग्राफर एसोसिएशन के द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम रखा गया। यह कार्यक्रम रंगनाथ मंदिर मंगल नगर पुलिया के पास संपन्न हुआ। जिसमें अतिथि नगर निगम महापौर प्रीति सूरी जीप्रीति सूरी जी उपस्थित रहे एवं फोटोग्राफर एसोसिएशन के अध्यक्ष मंटू मिश्रा एवं सचिव रवि कुमार राय, कोषाध्यक्ष कन्हैया जायसवाल एवं शहर के सभी फोटोग्राफर एवं संरक्षक मंडल कार्यकारिणी उपस्थित रहे।

सिटी मॉल बरही रोड में
ऑल इंडिया रिलीज
रोजाना 5 शो ता. 11 से
दोपहर 12.45, 3, 5.15, 7.30 एवं रात्रि 9.45 बजे से

रक्षाबंधन
कलाकार- अक्षय कुमार, भूमि पेडनेकर, सादिया खतीब, दीपिका खन्ना आदि।
Tickets Available on Book My Show
बुकिंग के लिए संपर्क करें- 07622-422402

सिटी मॉल बरही रोड में
ऑल इंडिया रिलीज
रोजाना 4 शो ता. 11 से
दोपहर 12.30, 4, 7.15 एवं रात्रि 10.15 बजे से

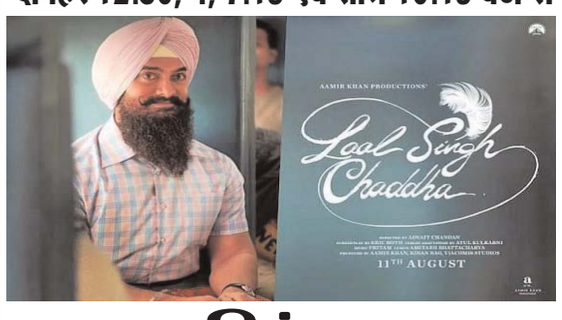

लालसिंह चड्ढा
कलाकार- आमिर खान, करीना कपूर, नागा चैतन्य, मोना सिंह आदि।
Tickets Available on Book My Show
बुकिंग के लिए संपर्क करें- 07622-422402

नीरज सिनेप्लेक्स में

ऑल इंडिया रिलीज
रोजाना 3 शो ता. 19 से
12,3 एवं सायं 6 बजे से
रक्षाबंधन
कलाकार- अक्षय कुमार, भूमि पेडनेकर, सादिया खतीब, दीपिका खन्ना आदि।
टिकट दर
बालकनी क्लास- 80/- लोवर क्लास-50/-

यदि आप तक समय पर
यश भारत नहीं पहुंच रहा है तो संपर्क करें फोनः- 230033

बावली हनुमान मंदिर में हुई महाआरती

उमरियापान, यशभारत। उमरियापान में बावली हनुमान मंदिर में हिंदू युवा जनजागरण समिति के सदस्यों द्वारा मंगलवार की शाम 7 बजे से संकट मोचन हनुमान जी की महाआरती की गई। महाआरती के पश्चात सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। हिंदू युवा जनजागरण समिति के द्वारा नगर के सभी हनुमान मंदिरों में हर मंगलवार और शनिवार को महाआरती का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर राजेश राजा चौरसिया, सिद्धार्थ दीक्षित, मनीष पौराणिक, वैभव, गोल्डी, शुभम चौरसिया, प्रयाग, अमन, आदर्श चौरसिया, चंकी पांडे, शिवा केवट, राजू, रोहित, पंकज, सृजन, मंझा, सुन्नू सहित अन्य लोग सम्मलित रहे हैं।

यश भारत

सिटी न्यूज

कटनी, शनिवार, 20 अगस्त 2022

आज की खबर अभी , आप रहें घर पर
सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर यशभारत
www.yashbharat.com
https://www.facebook.com/yashbharatnews/
YASHBHARAT -Epaper

नेशनल हाइवे पर अंधेरा, सड़कें जर्जर, आवागमन खतरनाक

बस स्टैंड से पहरुआ तक की महीनों से बंद स्ट्रीट लाइट, सीवर लाइन निर्माण के बाद नहीं बनी सड़क

कटनी, यशभारत। बस स्टैंड से पन्ना मोड़ होते हुए सांई मंदिर पहरुआ और आसपास का इलाका भले ही शहर सीमा में आता हो, लेकिन इस क्षेत्र को देखकर बिल्कुल भी नहीं लगता कि यहां रत्ती भी विकास कार्य कराए गए होंगे। स्ट्रीट लाइट बन्द, सड़कों पर विचरण करते आवारा मवेशी और जर्जर व खस्ताहाल सड़कें देखकर ऐसा लगता है कि यह शहर नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र है। इन समस्याओं के मकड़जाल में घिरे लोग नगर निगम प्रशासन को कोस रहे हैं, इसके बावजूद नगर निगम के अधिकारियों को आमजन को हो रही परेशानियों से कोई सरोकार नहीं है। लोग परेशान हो रहे हैं। रात में इस मार्ग से निकलने में लोगों को डर लग रहा है। सड़कों पर अंधेरा होने और आवारा मवेशियों का जमघट होने के कारण हर सम दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है। लोगों को अब नवनिर्वाचित नगर सरकार से ही क्षेत्र में विकास कार्य की उम्मीद है।

यश भारत
खबर विशेष

सड़कों पर आवारा मवेशियों का जमघट, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा, लोगों को अब नई नगर सरकार से उम्मीद

पन्ना मोड़ पर बने स्तंभ के पास मवेशियों का झुंड। पन्ना मोड़ से पहरूआ की ओर जाने वाले मार्ग में स्ट्रीट लाइट बंद होने से अंधेरा।

सड़क नहीं बनने से कीचड़ का सामाज्य, हर दिन हो रही दुर्घटनाएं

नगर निगम द्वारा प्राईवेट कंपनी के माध्यम से शहर में कराए गए सीवर लाइन के निर्माण का खामियाजा बेकसूर नागरिकों को कई तरह की परेशानियों उठाकर करना पड़ रहा है। आलम यह है कि कुठला क्षेत्र में हाईवे सड़क पर सीवर लाइन का काम होने के बाद ठेकेदार द्वारा सड़क का निर्माण नहीं किया गया। जिसके चलते पूरी सड़क में जगह-जगह बड़े-बड़े खाईनुमा गड्ढे बन गए हैं, जिससे इस मार्ग पर आवागमन बेहद जानलेवा और खतरनाक हो गया है। इसके बाद भी नगर निगम प्रशासन द्वारा न तो सड़क की मरम्मत की गई और न ही सुधार कार्य कराया गया।

सीएम हेल्पलाइन में शिकायतों के बाद भी नहीं हुआ सुधार कार्य

उपनगरीय क्षेत्र कुठला से होकर गुजरे नेशनल हाईवे में स्ट्रीट लाइट पिछले करीब एक महीने से बंद है लेकिन नगर निगम के विद्युत विभाग द्वारा शिकायतों के बाद भी सुधार कार्य नहीं कराया गया है। इस क्षेत्र के निवासियों ने बताया कि बस स्टैंड के पास स्थित सूर्या होटल से लेकर पन्ना मोड़ होते हुए सांई मंदिर पहरुआ तक की स्ट्रीट लाइट पिछले करीब 20 दिनों से बन्द है। शाम होते ही हाइवे की सड़क पर अंधकार छा जाता है। अंधकार के चलते इस मार्ग पर आवागमन जानलेवा एवं खतरनाक हो गया है। यहां से निकलने वाले राहगीर अपनी जान हथेली पर रखकर निकलते हैं।

बच्चों में दिखी कान्हा की झलक

कल शुक्रवार को शहर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व उत्साहपूर्वक मनाया गया। मंदिरों में कल दिन भर पर्व की धूम रही तो घरों में भी नटखट कन्हैया का जन्म उल्लास के साथ मनाया गया। परिवार के लोगों ने बच्चों को कन्हैया बनाकर पूजन अर्चन किया और माखन का भोग लगाया। संतनगर निवासी छिरौल्या परिवार के बच्चे यति छिरोल्या, रिद्धी छिरोल्या, यश छिरोल्या, युवराज, कान्हा छिरोल्या, युग छिरोल्या, कृतिका छिरोल्या ने नटखट कन्हैया एवं राधा बने।

रामचंद सचदेव का निधन

कटनी, यशभारत। शहर की प्रतिष्ठित फर्म गुरूनानक क्राकरी के संचालक स्व. नाऊमल सचदेव एवं भागचन्द सचदेव के भाई तथा युवा समाजसेवी सुदामा सचदेव, किशन सचदेव के पिता रामचंद सचदेव का आज अचानक देहावसान हो गया।

उनके निधन की खबर से हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी एवं माधवनगर के साथ ही व्यापारी जगत एवं सिंधी समाज में शोक व्याप्त हो गया। बड़ी संख्या में शुभचिंतकों एवं इष्टमित्रों ने निवास पर पहुंचकर शोक व्यक्त किया। उनकी अंतिम यात्रा आज शनिवार को सायं 4 बजे निज निवास हाऊसिंग बोर्ड से निकाली जाना थी।

देशभक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुति ने बांधा समां

राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना महिला इकाई ने किया सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

कटनी, यशभारत। आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना महिला इकाई द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कुठला थाने के समीप स्थित कार्यालय में ध्वजारोहण, राष्ट्रगान के उपरांत आतिशबाजी की गई। महिला इकाई द्वारा 15 अगस्त की शाम देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान समिति की महिलाओं ने देशभक्ति भजन, नृत्य व मंगलगीत का गान किया। जिलाध्यक्ष बबिता सिंह बघेल ने बताया कि पन्ना मोड़ स्थित राधा बिहारी महिला मंडल को कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था। महिला मंडल ने मनमोहक देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अनीता सिंह ठाकुर, उमा सिंह गौर, ममता सिंह सोलंकी, मीना सिंह बघेल, सुजाता सिंह बघेल, उर्मिला सिंह गौर, किरण सिंह बघेल, अंशू सिंह, दिया सिंह गौर सहित अन्य छात्राणियों ने हिस्सा लिया।

26 सितंबर को निकलेगी भव्य शोभायात्रा

अग्रसेन जयंती महोत्सव पर होंगे 8 दिवसीय कार्यक्रम

कटनी, यशभारत। मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा, अग्रवाल समाज, अग्रवाल पंच परिषद, अग्रवाल महिला मंडल, अग्रवाल नवयुवक मंडल की संयुक्त बैठक अग्रवाल भवन धर्मशाला में विगत दिवस राजेंद्र प्रसाद पंच की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें विगत वर्षों की भांति श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव उत्साह पूर्वक मनाने का निर्णय लिया गया। 8 दिवसीय कार्यक्रम के आयोजन के तहत 11 सितंबर रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन रखा गया है। द्वितीय दिवस 17 सितंबर को अग्र कुलदेवी माता महालक्ष्मी जी का पूजन होगा। तृतीय दिवस 18 सितंबर को विभिन्न प्रतियोगिताएं संपन्न होंगी। चतुर्थ दिवस 24 सितंबर को वाहन रैली अग्रसेन उद्यान घंटाघर से निकाली जाएगी। पंचम दिवस 25 सितंबर को सांस्कृतिक कार्यक्रम नृत्य प्रतियोगिता, कौतुक वेशभूषा का प्रदर्शन छात्र छात्राओं का सम्मान, वरिष्ठ बुजुर्गों का सम्मान 50वी शादी की सालगिरह पर सम्मान किया जाएगा। षष्टम दिवस मुख्य कार्यक्रम 26 सितंबर को महाराजा अग्रसेन महाराज जी का पूजन अर्चन, हवन, आरती, प्रसाद वितरण का कार्यक्रम अग्रवाल भवन धर्मशाला में सुबह 10 बजे से होगा, साथ ही शाम 4 बजे से भव्य शोभायात्रा जीवित झांकियों सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए प्रारंभिक स्थल पहुंचेगी। सप्तम दिवस 27 सितंबर को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। अष्टम दिवस 9 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा में अग्रवाल महिला रामायण समाज द्वारा रामायण पाठ भजन कीर्तन खीर के प्रसाद से कार्यक्रम संपन्न होगा। उसी दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं के सांत्वना पुरस्कार वितरित किए जाएंगे। बैठक का संचालन महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती उषा सरमन अग्रवाल ने किया। मंडल अध्यक्ष अनूप अग्रवाल ने जी किया।

रूपनाथधाम में मनी जन्माष्टमी, मटकी फोड़कर पड़रिया की टीम बनी विजेता

कटनी, यशभारत। प्रतिवर्षानुसार धूमधाम से मनाए जाने वाले त्यौहार कृष्ण जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर रुपनाथधाम में मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शिव रुपनाथ धाम बहोरीबंद आयोजक समिति महेंद्र सैनी, नरेंद्र सैनी, कृष्ण कुमार मिश्रा, राजेश रजक, पुष्पेंद्र सिंह गोलू, सुमित सैनी द्वारा दोपहर करीब 3 बजे से प्रतियोगता का आयोजन प्रारंभ किया गया। मटकी को रस्सी के सहारे से ऊपर बांधा गया, इसके बाद मटकी फोड़ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने आई टोलियों द्वारा बारी-बारी से मटकी फोड़ने का प्रयास किया गया, साथ ही नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की...के जयकारे गूंजते रहे। दो टीमों में रोमांचक मुकाबला देखने को मिला, जिसमे पड़रिया की टीम ने मटकी फोड़कर विजेता बनी। वहीं ग्राम बम्होरी की टीम उपविजेता रही।

विजेता को आयोजक टीम द्वारा नगद पुरस्कार के रूप में 8100 की राशि एवं शील्ड मेडल देकर सम्मानित किया गया। मटकी फोड़ प्रतियोगिता को देखने आसपास के ग्रामों के लोग भारी संख्या में पहुंचे और इस रोमांचक प्रतियोगिता का लुत्फ उठाया। मटकी फोड़ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद अध्यक्ष लाल कमल बंसल, अतिथि के रूप में राकेश सिंह लोधी, उत्तम सिंह लोधी, ब्रजेश गुप्ता सरपंच बहोरीबंद, राधे यादव, अजीत महोबिया, रामनरेश यादव, रामपाल यादव, प्रकाश राजपाल सहित सैकड़ों की संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।

मनोहर लाल जैन निधन

कटनी, यशभारत। कांग्रेस नेता राकेश जैन कक्का के ताऊ सावरकर वार्ड के प्रतिष्ठित नागरिक स्व. हुकुमचंद जैन के पुत्र मनोहर लाल जैन का बीती शाम करीब 6 बजे निवास पर ही आकस्मिक निधन हो गया है। उनके निधन की खबर से नई बस्ती एवं सावरकर वार्ड क्षेत्र के साथ ही जैन समाज में शोक व्याप्त हो गया। बड़ी संख्या में शुभचिंतकों एवं इष्टमित्रों ने निवास पर पहुंचकर शोक संवदेनाएं व्यक्त की। उनकी अंतिम यात्रा आज शनिवार को सुबह 10 बजे सावरकर वार्ड नई बस्ती स्थित निवास से निकाली गई। अंतिम संस्कार नदीपार मुक्तिधाम में किया गया।

राष्ट्रध्वज वितरण किया रॉयल राजपूत संगठन ने

कटनी, यशभारत। अमृत महोत्सव के अंतर्गत विगत दिवस रॉयल राजपूत संगठन की महिला पदाधिकारियों ने आम जनमानस के बीच निःशुल्क राष्ट्र ध्वज वितरण किया। कार्यक्रम को मुख्यरूप से श्रीमती रेखा सिंह व प्रतिभा सिंह की अगुवाई में अंजाम दिया गया। इस दौरान संगठन के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। श्रीमती सिंह ने कहा कि आजादी की 75 वीं वर्षगांठ पर हर किसी को देश हित में कार्य करने का संकल्प लेना चाहिए। हम सभी के प्रयासों से ही देश तेजी से आगे बढ़ सकता है, इसके हम सब को संगठित होकर प्रयास करने चाहिए।

mgm HOSPITAL We Care with Care
नमस्कार!
कटनी का पहला और एकमात्र
एम.आर.आई. सेंटर
एमजीएम हॉस्पिटल में अब सीटी स्कैन के साथ, एमआरआई जाँच की सुविधा उपलब्ध है।

24X7
M.R.I.
CT SCAN
TEST FACILITY AVAILABLE
HELPLINE NUMBER
07622-405070
एम.जी.एम. हॉस्पिटल, कटनी (म.प्र.)
Web- www.mgmhospitalkatni.com, email- info@mgmhospitalkatni.com

Tuesday Offer
@99/- Available On
All Seats Except Recliners
CINEWORLDZ
CINEMA KATNI
by CMW
Millal
MALL
paytm
bookmyshow
From 11th August 2022
MALL

TIMINGS MAY CHANGE FOR CURRENT UPDATE VISIT ON BOOK MY SHOW & PAYTM
2nd Floor , Mittal Mall, Beside Mittal Enclave, Collectorate Road, Katni M.P.
Contact No. 9993123830

संपादकीय

स्वास्थ्य व पर्यावरणीय संकट की चुनौती

जुलाई की शुरुआत से दुधारू पशुओं को गिरफ्त में लेने वाले लंपी त्वचा रोग से निपटने में विभिन्न सरकारों ने जैसी हीला-हवाली की उसका नतीजा है कि पशुपालक किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। समय रहते इसके उपचार को गंभीरता से न लेने का ही परिणाम है कि देश के कई राज्यों के पशु इस रोग से मर रहे हैं। इतना ही नहीं, दुधाऊ पशुओं ने दूध देना कम कर दिया है। हालत यह है कि पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, गुजरात व जम्मू-कश्मीर में हजारों जानवर इस रोग की चपेट में हैं। रोग की चपेट में आने वाले पशुओं में गायें ज्यादा हैं। यदि अधिकारी राज्यों की सीमाओं पर सख्ती बरतते तो इस रोग का अंतर्राज्यीय स्तर पर प्रसार न होता। फिलहाल तो डेयरी उद्योग से जुड़े किसान बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। बताते हैं कि यह रोग जहां गायों की दूध देने की क्षमता में कमी लाता है, वहीं प्रजनन क्षमता पर भी प्रतिकूल असर डालता है। वहीं दूसरी ओर हजारों मृत पशुओं के शवों का निस्तारण भी बड़ी चुनौती है। शवों का निपटान वैज्ञानिक तरीके से नहीं हो पा रहा है। कई जगह जानवरों के शव खुले में पड़े रहते हैं। घोर कुप्रबंधन का आलम यह है कि पशुपालक मरे जानवरों के शवों को नदी-नहरों में फेंक जाते हैं। बताया जाता है कि अकेले पंजाब में ही चार हजार से अधिक पशु मर चुके हैं और 75 हजार इस रोग से पीड़ित हैं। निस्संदेह, इस बड़ी चुनौती से मुकाबले को बहुकोणीय नजरिये से युद्ध स्तर पर काम करने की जरूरत है। जहां तुरंत उपचार व रोग की रोकथाम के लिये अतिरिक्त धन की मंजूरी जरूरी है, वहीं पशु चिकित्सालयों में पर्याप्त चिकित्सकों व कर्मचारियों की उपलब्धता की तत्काल आवश्यकता है। साथ ही वैकल्पिक वैक्सीन किसानों की सहज पहुंच में होनी चाहिए। पशु पालकों को जागरूक करने तथा रोग के प्रसार को रोकने के वैज्ञानिक उपायों के बारे में बताना भी जरूरी है। बहरहाल, इस संक्रामक रोग से हालात इतने बिगड़ गये हैं कि समाज में स्वास्थ्य व पर्यावरणीय संकट की चुनौती पैदा हो गई है। इस रोग के चलते चुनौतियों की एक श्रृंखला उत्पन्न हुई है। वहीं पशु चिकित्सकों की कमी से समस्या और विकट हो रही है। इस रोग से जुड़े अनुसंधान के बाद पता लगाया जाना चाहिए कि रोग की रोकथाम के लिये जो वैकल्पिक वैक्सीन दी जा रही है क्या वह स्वस्थ पशुओं को रोग से बचाने में कारगर है। दरअसल, विशेषज्ञों की सलाह के बावजूद अफवाहें फैलायी जा रही हैं कि रोग के चलते गाय का दूध पीना नुकसानदायक हो सकता है। इस बाबत समाज में प्रगतिशील सोच बनाये जाने की जरूरत भी है। साथ ही वैज्ञानिकों की आवाज को प्रभावी बनाने की भी आवश्यकता है। वहीं इस संक्रामक रोग ने पिछले एक दशक में जानवरों को दफनाने के लिये आरक्षित स्थानों को खुर्द-बुर्द करने के संकट को भी उजागर किया है। अवैध कब्जों के चलते इसमें लगातार संकुचन हुआ है। वहीं इस समस्या के विस्तार की एक वजह यह भी है कि चर्मकर्म से जुड़े लोगों का मृत पशुओं के निस्तारण में रुझान कम हुआ है। जिसकी एक वजह यह भी है कि चमड़े, हड्डियों व खुरों की बिक्री से होने वाला लाभ कम हो गया है। फलतः मृत जानवरों के शवों को उठाने के वार्षिक अनुबंध की प्रथा समाप्त होने के कगार पर है। दरअसल, इस समस्या के सभी कोणों पर विचार करना भी जरूरी है। साथ ही निवारक कदमों के साथ इस रोग से बचाव को लेकर जागरूकता फैलायी जानी चाहिए क्योंकि साल-दर-साल इस रोग का प्रसार बढ़ा है। हाल के वर्षों में लंपी स्किन डिजीज़ से रुग्णता पचास फीसदी तक बढ़ी है और मृत्यु दर भी एक से पांच फीसदी के भीतर है। ऐसे में इस रोग के खात्मे और पशुपालकों की जीविका बचाने के लिये दीर्घकालीन रणनीति पर काम करने की जरूरत है। यह रोग हर साल राज्यों की सीमाओं को पार करके कहर बरपा रहा है।

सबको साथ लेकर चलने वाले दूरदर्शी नेता

राजीव गांधी कोई साधारण नेता नहीं थे, आज अगर वह हमारे बीच होते तो 78 वर्ष के होते। उनमें एक राष्ट्र के रूप में हमारी चुनौतियों और अवसरों को पहचानने की क्षमता थी और इसलिए जब तक ईश्वर ने उन्हें काम करने का अवसर दिया, तब तक उन्होंने अपनी पूरी ताकत व क्षमता से काम किया। हाल ही में पूरे देश ने भारत की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति के रूप में द्रौपदी मुर्मू के चुने जाने का जश्न मनाया, इसका पूरा श्रेय राजीव गांधी की दूरदर्शिता को जाता है। उन्होंने ही पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देकर सत्ता के विकेंद्रीकरण का सपना देखा था। राष्ट्रपति मुर्मू ने रायरंगपुर (ओडिशा) से पार्षद के रूप में अपना राजनैतिक सफर शुरू किया था। यह सीट आदिवासी महिलाओं के लिए आरक्षित थी और वे आज देश के सर्वोच्च पद पर पहुंचीं।

खास तौर पर राजीव जी की यह दृढ़ सोच थी कि सरकार में सहभागिता और लोकतांत्रिक प्रणाली से भारी ऊर्जा पैदा होगी और यह समाज के वंचित और कमजोर वर्गों की स्थिति में क्रांतिकारी बदलाव करेगी। पंचायती राज और नगर पालिका विधेयक समावेशी राजनीतिक विकास की दिशा में हमारे सामूहिक प्रयासों के बेहद महत्वपूर्ण पल थे और इसको आकार देने वाला कोई और नहीं, बल्कि राजीव गांधी ही थे, जिन्होंने लोक अदालतों के माध्यम से त्वरित न्याय दिलाने के प्रयासों को भी प्रमुखता से बढ़ावा दिया।

हालांकि, पंचायती राज संस्थाओं के जरिए लोगों को सशक्त बनाने का काम आसान नहीं था, फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी। भ्रष्टाचार की दीमक को भली-भांति पहचानने वाले राजीव जी ने एक बार अपने भाषण में कहा था कि सरकार द्वारा खर्च प्रत्येक रुपये में से केवल पंद्रह पैसा ही लाभार्थी तक पहुंचता है। उन्होंने स्थानीय स्वशासन के लिए 1989 में लोकसभा में 64वां संविधान संशोधन विधेयक पेश किया। संसद के निचले सदन ने तो विधेयक पारित कर दिया, लेकिन उच्च सदन यानी राज्य सभा ने इसे अस्वीकार कर दिया। जमीनी स्तर पर लोगों को सशक्त बनाने का दृढ़ संकल्प लेकर उन्होंने 1991 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के घोषणापत्र में पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाने के वायदे को शामिल किया। बतौर लोकसभा सांसद मैं उस पल का गवाह हूं, जब 73वें और 74वें संविधान संशोधन अधिनियम के लागू होने पर राजीव जी का सपना पूरा हुआ, जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में क्रमशः पंचायतों, त्रि-स्तरीय पंचायतों और नगर पालिकाओं को पर्याप्त शक्तियां देने, पर्याप्त फंड देने और इनमें महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित करने का फैसला लिया गया। बाकी इतिहास सबके सामने है।

यहां तक कि उनके राजनीतिक विरोधी भी इस बात को मानते हैं कि राजीव जी वास्तव में आधुनिक नेता थे और नयी सोच के प्रति ग्रहणशील थे। देश के प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने लगभग 38 साल पहले ही हमारे जीवन में प्रौद्योगिकी की बड़ी भूमिका की परिकल्पना कर ली थी। वे उच्च उत्पादकता, पारदर्शिता और सामाजिक न्याय की दिशा में तेजी से प्रगति के लिए तकनीकी के आधुनिकीकरण और उन्नयन की जरूरत को पहले ही समझ गये थे। 'विज्ञान गांव की ओर' का विचार उनके दिलो-दिमाग पर छाया था। उन्होंने न केवल कृषि के क्षेत्र में बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में प्रौद्योगिकी अपनाने की पहल की। एक प्रभावी और उत्तरदायी प्रशासनिक तंत्र स्थापित करने का दृढ़ संकल्प लिये राजीव जी कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग को प्रधानमंत्री कार्यालय के अधीन लेकर आये, जो भारत की प्रशासनिक दक्षता की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण और बड़ा कदम था। राजनैतिक पतन पर प्रभावी रोक के लिए राजीव जी 1985 में 52वां संविधान संशोधन अधिनियम लेकर आये जिसे हर कोई दलबदल विरोधी कानून के रूप में जानता है। कल्पना कीजिए कि अगर हमारे देश में दल-बदल विरोधी कानून नहीं होता तो हमारे विधायकों और सांसदों की खरीद-फरोख्त किस तरह से हो रही होती! युवाशक्ति में जबरदस्त भरोसा करने वाले राजीव जी ने मतदान की उम्र 21 से घटाकर 18 वर्ष कर मताधिकार का अधिकार देकर सशक्त बनाया। उन्होंने इस सच्चाई को हमेशा दोहराया कि देश के युवाओं को समानता, न्याय, बंधुत्व और स्वतंत्रता के सिद्धांत पर एक सामाजिक व्यवस्था बनाने के लिए सशक्त, शिक्षित और कौशल से युक्त होना चाहिए। वे भाईचारे, सहिष्णुता और सह-अस्तित्व की भावना को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक तालमेल की जरूरत के बारे में उतने ही गंभीर थे। उनकी ये गंभीरता उनकी सरकार की शिक्षा नीति में साफ तौर पर दिखाई देती थी। इसी प्रकार, उन्होंने सांस्कृतिक विविधता की रक्षा करने और उसको बढ़ावा देने के लिए सात क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र स्थापित किए। इतना ही नहीं, वे युवाओं की शिक्षा के विषय में भी काफी सोचते थे। उन्होंने देश भर में उच्च शिक्षा कार्यक्रमों के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए 1985 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय की स्थापना की। जवाहर नवोदय विद्यालयों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को सामाजिक न्याय और संस्कृति के साथ-साथ उत्कृष्ट और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए मुफ्त आवासीय विद्यालय के जरिये हमारे बच्चों की शिक्षा में उनके महत्वपूर्ण योगदान को कोई भी कैसे भूल सकता है? मैं यहां गर्व से इस बात को कहना चाहता हूं कि देश का पहला जवाहर नवोदय विद्यालय मेरे संसदीय क्षेत्र में झज्जर जिले के एक गांव में खोला गया था। मेरे लिए यह सुखद है कि मैंने राजीव जी के बेहद करीब रहकर काम किया है। किसी को भी मंत्रमुग्ध कर देने वाले व्यक्तित्व, सम्मोहन, ऊर्जा, आकर्षण, साहस, आत्मविश्वास, अंदाज, बुद्धिमत्ता, धैर्य, गरिमा, शालीनता से सम्पन्न और सबको साथ लेकर चलने वाले राजीव जी सहमति और समाधान, भागीदारी और सूझ-बूझ के जरिये सार्वजनिक जीवन में राजनीति, अर्थव्यवस्था और नैतिकता के क्षेत्र में बदलाव का प्रतीक बने। शांति में उनका अटूट विश्वास था और उन्होंने पंजाब, असम, मिजोरम, नगालैंड और कश्मीर में शांति एवं लोकतंत्र बहाली के लिए आंदोलन और विद्रोह को खत्म कराने के लिये कड़ी मेहनत की। 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' उनकी ही परिकल्पना थी। आजादी के 75वें अमृत महोत्सव काल में देश राजीव जी की दूरदर्शिता और नेतृत्व के अतुलनीय योगदान को कभी नहीं भुला सकता। उन्होंने सुशासित, शक्तिशाली और जीवंत राष्ट्र की बुनियाद रखी। सच कहें तो राजीव जी दूर की सोच रखने वाले राजनेता थे, जिनके विचार और अवधारणाएं आज भी वैश्विक महत्व रखती हैं। उनके आदर्शों पर चलकर हम अपने सपनों के भारत का निर्माण कर सकते हैं, जो बिना किसी भेदभाव और बिना किसी को छोे? सभी का ख्याल रखे। एक खुशहाल, स्वस्थ और समावेशी समृद्ध भारत की दिशा में बड़ा हमारा हर कदम राजीव गांधी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

-भूपेन्द्र सिंह हुड्डा

भुखमरी-कुपोषण बढ़ा गई महामारी

भोजन जीवन की आधारभूत आवश्यकता है, जिसके अभाव में जीने की कल्पना करना भी असंभव है। पर्याप्त मात्रा में इसकी उपलब्धता जितनी अनिवार्य है, उतना ही महत्वपूर्ण है सम्पूर्ण आहार के तौर पर पोषक तत्वों का समुचित समावेश। वर्ष 2019 का वर्षांत न केवल दैवीय प्रकोप के रूप में अपने साथ कोरोना महामारी लेकर आया अपितु आपातकालीन परिस्थितियों सहित वैश्विक व्यवस्थाओं को विभिन्न स्तरों पर भीषण आर्थिक मंदी का सामना भी करना पड़ा। खाद्यान्न उपलब्धता पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ना स्वाभाविक था। यूएन की 'द स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड, 2022' रिपोर्ट' बताती है कि 2019 के पश्चात विश्वभर में भुखमरी का आंकड़ा तीव्र गति से बढ़ा। जहां 2019 में विश्व के 61.8 करोड़ लोग भूख से संघर्षरत थे, वहीं 2021 में यह संख्या बढ़कर 76.8 करोड़ तक जा पहुंची। भुखमरी के आंकड़ों में विगत 15 वर्षों से अनवरत जारी बढ़ोतरी में कोरोना काल के दौरान अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई। इस संदर्भ में यद्यपि भारत की स्थिति को बेहतर आंका जा रहा है, तथापि सर्वेक्षण के अनुसार, अभी भी 22 करोड़ भारतीय लोगों को भरपेट भोजन उपलब्ध नहीं हो पाता। रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 में वैश्विक स्तर पर भुखमरी के शिकार 76.8 करोड़ लोगों में 29 प्रतिशत भारतीय थे। भुखमरी मिटाने की यह रफ्तार भले ही विकसित देशों की अपेक्षा कम अथवा पड़ोसी राष्ट्रों से बेहतर रही हो, किंतु रिपोर्ट बताती है कि 2021 में भारत की कुल 22.4 करोड़ आबादी कुपोषण का शिकार पाई गई। एक प्रकाशित सर्वेक्षणानुसार, 70.5 प्रतिशत भारतीय पोषाहार से वंचित हैं।

बड़ी संख्या में भारतीय वयस्कों के मोटापाग्रस्त होने तथा महिलाओं के एनीमिया-पीड़ित होने संबंधी विवरण भी दिया गया है। रिपोर्ट के तहत 15 से 49 आयुवर्ग के 3.4 करोड़ लोग ओवरवेट' श्रेणी में सम्मिलित हो चुके हैं। जबकि 4 वर्ष पूर्व यह संख्या 2.5 करोड़ थी। महिला रक्ताल्पता मामलों की संख्या 2019 में लगभग 17.2 करोड़ रही, जबकि 2021 में भारत की कुल 18.7 करोड़ भारतीय महिलाएं एनीमिक पाई गईं।'ग्लोबल हंगर इंडेक्स-2021'' के अनुसार, भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा खाद्य उत्पादक देश है। दूध, चावल, मछली, सब्ज़ी तथा गेहूं उत्पादन में अग्रणी राष्ट्र होने तथा वैश्विक स्तर पर सबसे सस्ता पौष्टिक आहार भारत में उपलब्ध होने पर भी कुल जनसंख्या के एक-चौथाई से अधिक अंश का पोषाहार से वंचित रहना, निस्संदेह आश्चर्यजनक है। इसमें जहां व्यवस्थात्मक प्रबंधन की कमियां उजागर होती हैं, वहीं भारतीय संस्कृति के पारम्परिक आहार नियमन भी एक वजह है।भारतीय सभ्यता में अन्न को देवत्व से जोड़ा गया है। परम्परानुसार भोजन व्यर्थ गंवाना अथवा झूठा छोड़ना सर्वथा निषेध है किंतु परिवर्तित जीवनशैली के आधार पर आयोजित भव्य समारोहों में परोसे गए विविध व्यंजनों का एक बड़ा हिस्सा आस्वादन अतिरेक में कूड़ेदान के हवाले कर दिया जाता है, जो कि अनेक जरूरतमंद लोगों का क्षुधापूरक बन सकता था।आज भी सरकारी व्यवस्था का असंतोषजनक व अव्यवस्थित होना सर्वाधिक विडंबना का विषय है। जहां लाखों लोग दाने-दाने को मोहताज हैं, वहीं प्रतिवर्ष लाखों टन अनाज कुव्यवस्था की भेंट चढ़ जाता है। पोषाहार व मुफ्त अनाज आवंटन योजनाओं की विसंगति तथा सभी जरूरतमंद लोगों तक पहुंच बना पाना एक यक्ष प्रश्न है तो गुणवत्ता मूल्यांकन में अक्षरशः खरा उतरना एक संदेहास्पद विषय। अभक्ष्य आहार से क्षुधापूर्ति व गुणवत्ता रहित अथवा कम गुणवत्ता वाले अनाज से सम्पूर्ण पोषक तत्वों की आपूर्ति भला कैसे संभव है ?रासायनिक खादों तथा कीटनाशकों का असीमित प्रयोग पोषक तत्वों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने सहित अन्न की प्राकृतिक गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है। संतुलित आहार, मात्रा आदि से संबंधित अपर्याप्त जानकारी भी रक्ताल्पता जैसी स्वास्थ्यजनित समस्यायों में असामान्य वृद्धि का बड़ा कारण हैं। आवश्यक शारीरिक सक्रियता का अभाव एवं 'जंक फूड'' का बहुप्रचलन युवाओं में मोटापे की समस्या बनकर उभर रहा है।'रेडी टू ईट'' परंपरा का अनुसरण समय व श्रम भले ही बचाता हो लेकिन इसके दूरगामी प्रभाव कुपोषण व स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं ही लेकर आते हैं। महानगरीय अतिव्यस्तता जिस जीवनशैली को आधुनिकता का पर्याय मानने लगी है, वही शारीरिक तथा मानसिक रुग्णता का कारण बन रही है। भोजन बनाना, परोसना, ग्रहण करना व बचे अन्न का सद्प्रयोग हमारे परम्परागत संस्कार हैं, इनकी अवहेलना से केवल विकार ही उत्पन्न होंगे और विकारों से आरोग्य व पोषकता की अपेक्षा कैसे व क्योंकर हो सकती है ? आवश्यकतानुसार परोसना तथा मिल-बांटकर खाना ही हमारी सांस्कृतिक विलक्षणता है। वही व्यवस्था श्रेष्ठतम आंकी जा सकती है जो न केवल अन्न के मंडीकरण, भंडारण, वितरण आदि के समुचित प्रबन्धन के प्रति निष्ठापूर्वक जिम्मेवार हो बल्कि निर्धनता, बेरोजगारी, महंगाई, अज्ञानता जैसी सामाजिक समस्याओं के उन्मूलन हेतु भी संकल्पबद्ध हो ताकि देश की प्रत्येक थाली में भरपेट संतुलित भोजन मिल पाए।

दीपिका अरोड़ा

आपका राशिफल 21 अगस्त

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) — परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय समान रहेगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुख-आनंद कारक समय है। अपने काम पर ध्यान दीजिए। अंधविश्वासी न बनें। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। यात्रा का योग। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-5-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-2-3-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी) — सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। आर्थिक चिंताएं कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-3-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-3-5-7

फिल्म वर्ग पहेली- 5902

बायें से दायें:-

१. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'जब दिल चुराए' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली धर्मेन्द्र, रेखा की फिल्म-३
५. सलमान, नगमा की 'चांदनी रात है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'टुट गई तड़क करके' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
८. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'दिल बेचैन रहा' गीत वाली फिल्म-२,२
९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजयदत्त, सलमान खान, रवीना की फिल्म-२
१०. डैनी, विनोद मेहरा, मौसमी की 'संसार है एक' गीत वाली फिल्म-३
११. 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली धर्मेन्द्र हेमा की फिल्म-२
१३. जीतेन्द्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'वो लड़की बहुत' गीत वाली अजय देवगन, नेहा धूपिया की फिल्म-४
२०. बॉबी, अक्षय खन्ना, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'मुझे साजन के' गीत वाली अनिल, जैकी, मनीषा, माधुरी की फिल्म-२
२२. सनी, सुनील, सेलिना की 'प्यार होने लगा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल की फिल्म-२
२७. फरदीन खान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'लाल लाल होठों पे' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२९. फिल्म 'एलओसी' में अजय देवगन के साथ किस की जोड़ी है-२
३०. 'सोल्जर' में प्रीति का नायक ?-२
३१. 'मेरे दिल का पता' गीत वाली राहुल राय, दीपक, पूजा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२. अनिल धवन, नीतूसिंह की 'अपने दिल में जगह' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं निकला' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
४. करण दीवान, वैजयंती की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
५. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली शाहरूख, काजोल, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-४
६. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'बांसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'मिलने से पहले' गीत वाली शरद कपूर, मुकुल आनंद, सुष्मिता की फिल्म-३
१२. विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'एक तो ये बैरी' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
१६. रितिक, करीना की 'ए री रे एरी क्या है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आपका चेहरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, सोनू, पल्लवी की फिल्म-४
१८. गोविंदा, ऋषिकपूर, नीलम, मीनाक्षी की 'तेरे डैडी ने दिया' गीत वाली फिल्म-३
१९. शाहरूख, सैफ, प्रीती जिंटा की 'कुछ तो हुआ है' गीत वाली फिल्म-२,१,१,१
२३. अमिताभ, सलमान, हेमा की 'चली चली फिर चली' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'इंतहा हो गई' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 5901

Jagrutidaur.com, Bangalore

विश्व मच्छर दिवस

मच्छरों से निजात मिलना नामुमकिन सा लगता है

आज विश्व मच्छर दिवस है आमतौर पर विश्व मच्छर दिवस की चर्चा ना के बराबर होती है लेकिन लाख कोशिशों के बावजूद भी मच्छरों से निजात मिलना नामुमकिन सा लगता है और यही मच्छर मलेरिया डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों को जन्म देते हैं जबलपुर शहर में भी मच्छरों की बढ़ती पैदावार एक गंभीर समस्या है हर साल करोड़ों रुपए की दवा छिड़काव के बाद भी मच्छरों की पैदावार में कोई अंतर नहीं दिखता हर साल डेंगू मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों के मरीज अस्पताल पहुंचने लाचार नजर आते हैं शहर को मच्छरों से निजात दिलाना प्रशासन के सामने भी एक गंभीर चुनौती है कहने को तो मच्छर को एक छोटा सा जीव माना जाता है लेकिन किस से उत्पन्न होने वाली बीमारियां जानलेवा तक साबित होती रही हैं हर साल बारिश की पूर्व और बीच-बीच में नगर निगम के द्वारा मच्छरों को मारने वाली दवा का छिड़काव भी किया जाता है लेकिन करोड़ों रुपए खर्च करके भी मच्छरों की पैदावार में कोई अंकुश न लग पाना चिंता का विषय जरूर है वर्षों से मलेरिया की रोकथाम के लिए बाकायदा एक विभाग अभियान भी चला रहा है और एक विभाग की दादी भी है कि मलेरिया के मरीजों की संख्या में कमी आ रही है लेकिन डेंगू चिकनगुनिया और येलो फीवर जैसी बीमारियां लोगों को बीमार बना रही है । विश्व स्वास्थ संगठन के अनुसार दुनिया भर में मच्छरों से होने वाली बीमारी डेंगू के मामलों में काफी वृद्धि हुई है और संगठन की माने तो दुनिया की 50त्न आबादी को डेंगू जैसी बीमारी होने का अंदेशा बना रहता है मच्छरों की पैदावार को रोकने के लिए प्रशासनिक स्तर पर जो कवायद होती है वह तो ठीक है लेकिन आम आदमी को भी इस मामले में सजग होना जरूरी है घर के गमलों फ्रिज और कूलर आसपास की नालियां और ऐसे स्थान जहां पर पानी का जमाव होता है यहां पर भी दवा का छिड़काव जरूरी हो जाता है तभी काफी हद तक हम मच्छरों से निजात पा सकते हैं वर्षा काल में एडीज मच्छर का प्रसार तेजी से होता है जो डेंगू जैसी घातक बीमारी फैलाता है जिस पर समय रहते ध्यान देने की जरूरत है तभी हम मच्छरों से होने वाले रोगों पर काफी हद तक नियंत्रण कर सकते हैं कहने को तो हर साल मच्छरों की रोकथाम के लिए बाकायदा अभियान चलाए जाते हैं और कहने को दवा का छिड़काव भी किया जाता है लेकिन बरसो की चल रही इस कवायद से भी मच्छरों से निजात नहीं मिल पाई है केवल जागरूकता अभियान चलाकर मच्छरों की पैदावार को रोका नहीं जा सकता इसके लिए जरूरी है कि ना केवल प्रशासन मच्छर को गंभीरता से लें बल्कि आम जनता भी मच्छरों की रोकथाम के लिए अपने स्तर पर सार्थक प्रयास करें तू शायद बहुत हद तक हम लोगों को बीमार होने से बचा सकते है तब कहीं जाकर मच्छर दिवस की सार्थकता होगी वरना जैसा चल रहा है वैसा चलता ही जाएगा नाना पाटेकर अभिनीत एक फिल्म का डायलॉग साला एक मच्छर आदमी को हिजड़ा बना देता है इन परिस्थितियों में प्रासंगिक हो जाता है क्योंकि मच्छर से जो बीमारियां फैलती है उसकी पीड़ा वही जानता है जिसे बीमारियां हो जाती हैं इसलिए जरूरी है कि आज मच्छर दिवस के मौके पर संकल्प लिया जाए कि मच्छरों के समूल नष्ट करने के लिए सार्थक कदम उठाए जाएं और लोग भी जागरूक हो वरना मच्छर दिवस तो हर साल मनाया जाता रहेगा।

: राजू शर्मा

सूडोकु नवताल- 6418

★☆☆☆☆ सरल

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6417 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

विचार प्रवाह

क्रोध और अहंकार दोनों सगे भाई हैं। क्रोध अहंकार के पीछे पीछे चलता है। अपेक्षा की उपेक्षा ही क्रोध है। जिससे तुम सम्मान की, प्रेम की अपेक्षा रखते हो वे तुम्हें अपमानित करते हैं। घृणा देते हैं तो तुम्हें क्रोध आ जाता है। भगवान महावीर कहते हैं किसी से किसी भी तरह की अपेक्षा ही मत रखो तो तुम्हारी उपेक्षा कौन कर सकता है और इस तरह तुम्हें कोई क्रोध नही दिला सकता।

-मुनिश्री तरुण सागर

शब्द पहेली - 7458

बाएँ से दाएँ

1. रोशनी-3
4. आशा, उम्मीद-2
5. एक प्रकार की बंगाली मिठाई-2,3
7. भ्रमण, घूमना-3
9. फिजूल, व्यर्थ ही-3
11. गुनाह, जुर्म-4
12. स्नान करवाना-4
14. डग, पांव, पैर-3
16. मक्खन(अंग्रेजी-3)
18. रावण, दशानन-5
19. टेलीफोन, दूरभाष-2
20. असली, शुद्ध-3

ऊपर से नीचे

1. वार, घात-3
2. आश्रय, पनाह-3
3. पायल की आवाज-4
4. दर्पण, शीशा-3
6. चिपकू, जलौका-2
8. स्वयं की पसंद का, स्वरुचिकर-2,3
10. हकलाना, अटक-अटक कर बोलना-5
13. पशु, जन्तु-4
14. मजार, मकबरा-2
15. कामदेव-3
16. बारिश, बरसात-3
17. धनवान, संपन्न-3

शब्द पहेली -7457 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

मजबूत हुआ भोपाल से दिल्ली का हवाई कनेक्शन, पुणे उड़ान बंद होने से मायूसी

भोपाल, यशभारत। एयर इंडिया ने भोपाल से पुणे के बीच संचालित अपनी एक मात्र उड़ान बंद करने की घोषणा कर दी है। यह उड़ान 20 अगस्त से संचालित नहीं होगी। इसकी जगह दिल्ली रूट पर दोपहर की उड़ान शुरू की जा रही है। नई उड़ान शुरू होने के साथ ही भोपाल से दिल्ली तक का हवाई कनेक्शन सबसे मजबूत हो जाएगा। वहीं पुणे उड़ान की सुविधा छिनने पर यात्रियों ने नाराजगी प्रकट की है। भोपाल से बड़ी संख्या में छात्र, आइटी प्रोफेशनल्स आदि पुणे की यात्रा करते हैं। उड़ान बंद होने से उन्हें परेशान होना पड़ेगा। पुणे के लिए ट्रेनों में आरक्षित टिकट भी आसानी से नहीं मिलते। ट्रेन का सफर लंबा होने के कारण कई लोग विमान से जाना पसंद करते हैं। बताया जाता है कि पुणे उड़ान की स्लाट अवधि समाप्त होने के कारण कंपनी को उड़ान बंद करने का निर्णय लेना पड़ा है। एयर इंडिया ने भोपाल-पुणे उड़ान को अहमदाबाद-पुणे रूट पर चलाने का निर्णय लिया है। पुणे में एयरपोर्ट का संचालन एयरफोर्स करता है। यहां से आमतौर पर लंबी अवधि के स्लाट जारी नहीं किए जाते। एयर इंडिया के स्टेशन मैनेजर श्याम टेकाम का कहना है कि नया स्लाट मिलने के बाद उड़ान फिर से प्रारंभ की जा सकती है।

Demo Pic

दिल्ली तक एयर कनेक्टिविटी बढ़ेगी

भोपाल से दिल्ली तक एयर कनेक्टिविटी अब बढ़ जाएगी। एयर इंडिया शनिवार से दोपहर की दिल्ली उड़ान भी शुरू कर रही है। दिल्ली तक पहले से ही चार उड़ानों का संचालन हो रहा है। इसमें से तीन इंडिगो एवं एक एयर इंडिया की है। अब कुल पांच उड़ानें हो जाएंगी। दिल्ली जाने वालों के पास सुबह को दो, दोपहर को एक एवं रात को दो उड़ानों में से किसी एक में जाने का विकल्प होगा। पुणे रूट पर भोपाल से एक मात्र उड़ान बंद करना उचित नहीं है। यात्रियों को असुविधा होगी। इस संबंध में हम उच्च प्रबंधन से चर्चा करेंगे। इंडिगो की नेटवर्क प्लानिंग टीम से भी पुणे उड़ान प्रारंभ करने का आग्रह किया जाएगा।

- प्राची बलुआपुरी, टीम लीडर सपोर्ट भोपाल फार एयर कनेक्टिविटी

भोपाल से पुणे तक एक उड़ान होना बहुत जरूरी है। जो उड़ान बंद की जा रही है उसमें अच्छी बुकिंग हो रही थी। कम किराये में टिकट नहीं मिलते थे फिर भी यात्री बुकिंग करते रहे क्योंकि एक ही उड़ान थी। इसे पुनः शुरू किया जाना चाहिए।

- ओमप्रकाश रीझवानी, ट्रेवलर्स एजेंट।

फिल्म स्टार गोविन्दा भोपाल पहुंचे, मटकी फोड प्रतियोगिता में शामिल होंगे

भोपाल,यशभारत। फिल्म अभिनेता गोविन्दा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर शुक्रवार को भोपाल पहुंचे। गोविन्दा 20 अगस्त को होने वाली मटकी फोड प्रतियोगिता में शामिल होंगे। श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव समिति के अध्यक्ष एवं भाजपा के भोपाल जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी सहित समिति के पदाधिकारियों ने उनका भव्य स्वागत किया। श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव समिति द्वारा भोपाल में मटकी फोड प्रतियोगिता के सफलतम् 17 वां वर्ष पूर्ण हो रहा है। इसी कडी में राजधानी भोपाल में प्रदेश की ऐतिहासिक एवं भव्य मटकी फो? प्रतियोगिता का आयोजन 20 अगस्त को शाम 7 बजे भगत सिंह चौराहा करोंद में आयोजित किया गया है। प्रतियोगिता में विजेता टीम को 1 लाख रूपए की पुरस्कार राशि दी जायेगी। इस आयोजन में फिल्म स्टार गोविन्दा शामिल होंगे। साथ ही मंच पर वीर रस के विख्यात कवि श्री रामभदावर वीर और श्रृंगार रस की सुप्रसिद्ध कवित्री पद्यमिनी शर्मा प्रस्तुति देगी। सुमित पचौरी ने बताया कि धार्मिक उत्सव के मटकी फोड प्रतियोगिता में विदिशा, शमशाबाद, होशंगाबाद, इटारसी, रायसेन, सीहोर, छिंदवाडा जिले की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता में जनप्रतिनिधि और बडी संख्या में आमजन शामिल होंगे।

मध्यरात्रि में प्रकट भये नंदलाला

मंदिरों में भक्तों की उमड़ी भीड़, दही-मिश्री व पंजीरी का बंटा प्रसाद

भोपाल,यशभारत। राजधानी के लोग शुक्रवार को भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में रंगे रहे। सुबह छह बजे से भगवान श्रीकृष्ण के मंदिर खुल गए थे। टीटी नगर टीन शेड के मां वैष्णो आदर्श नवदुर्गा मंदिर में शहर के सबसे बड़े लड्डू गोपाल का गाय के दूध से अभिषेक किया। उनको फूलों के झूले पर बैठाया गया। शिवाजी नगर श्रीकृष्ण प्रणामी मंदिर, इस्कान मंदिर पटेल नगर व भेल सहित शहर के सभी कृष्ण मंदिरों में दिनभर धार्मिक कार्यक्रम चलते रहे। श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहा। राधे-राधे, जय श्रीकृष्णा के जयकारे सुनाई दिए। इसके अलावा शहर में गोविंदाओं की टोली ने जगह जगह मटकी फोड़ी।

सीएम ने की पूजा अर्चना

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने निवास पर पूजा की। इसके अलावा उन्होंने बरखड़ी स्थित प्राचीन श्री कृष्ण मंदिर में अहीर यादव समाज द्वारा निकाली गई शोभायात्रा में भी शिरकत की। उन्होंने कन्हैया की पूजा अर्चना कर आरती की। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का दिन आनंद, उल्लास और उत्साह का दिन है। भगवान श्रीकृष्ण ने यही संदेश दिया कि सज्जनों के लिए फूल से कोमल और दुष्टों पर वज्र से कठोर होना चाहिए। भगवान श्रीकृष्ण की नीति अनुसार जो भी प्रदेश की शांति व्यवस्था और सौहार्द्र से खिलवाड़ करेगा, उसके लिए राज्य सरकार वज्र से कठोर होगी। इस मौके पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, महापौर मालती राय, विधायक रामेश्वर शर्मा, पूर्व पार्षद दिनेश यादव समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

नेहरू नगर के करूणाधाम आश्रम में गुरुदेव सुदेश शाण्डिल्य महाराज के सानिध्य में रात्रि 12 बजे श्री कृष्ण भगवान के प्रकटोत्सव के बाद भगवान की महाआरती व 108 पकवान के भोग लगाया। इसके लिए मंदिर प्रांगण को सफेद, हरा, नीला रंगों से विद्युत साज-सज्जा की गई। फूल, मटकिया, माखन और बांसुरियों से से सजाया गया। जिससे पूरा माहौल कृष्ण भक्तिमय हो गया। आश्रम में केसर दूध का प्रसाद दिन भर बांटा गया। भगवान की प्रकट होने की विशेष तैयारी की जा रही जो आकर्षण का केंद्र रहा। पुराने शहर के 21 स्थानों पर मटकी फोड़ी गई। सागर की टीम ने चौक, जुमेरामी, आजाद मार्केट, लखेरापुरा सहित 21 स्थानों पर 20 फीट ऊंची बंधी मटकियां फोड़ीं। चौक बाजार स्थित श्रीजी मंदिर से श्री हरिहर महोत्सव समिति द्वारा शोभायात्रा निकाली गई। जो विभिन्न मार्गों से होते हुए सोमवारा स्थित मां भवानी मंदिर पहुंचकर समाप्त हुई। आयोजन समिति के नितिन जैन बंटी ने बताया कि इस दौरान 21 स्थानों पर मटकी बांधी गई थीं। जिन्हे फोड़ने के लिए कृष्ण स्वरूप टेक्टर ट्राली में सवार थे। यात्रा का जगह-जगह पुष्पवर्षा से स्वागत हुआ।

स्कूलों में भी मनी जन्माष्टमी

भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाई गई। बच्चों ने श्रीकृष्ण व राध बनकर नृत्य किया। बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना की। पौधे लगाकर बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। बच्चों ने मटकी भी फोड़ी। इस मौके पर स्कूल के शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे। सरस्वती विद्या मंदिर में माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली मेघा परमार ने सरस्वती विद्या मंदिर कोटरा के भैया/बहनों के साथ मनाया जन्माष्टमी पर्व मनाया। परमार ने विद्यार्थियों को विश्वकीर्ति रचने की सफलता व उनके संघर्ष की कहानी बताई। कार्यक्रम में सुधा पाराशर, लक्ष्मी गौड़ व नीलेश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। सरस्वती शिशु मंदिर हर्षवर्धन नगर भोपाल विद्यालय में नन्हे बच्चों ने मनाया श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव कार्यक्रम की शुरुआत शोभा यात्रा से हुई नगर मे कृष्ण स्वरुप बनकर घोष के साथ घूमे अभिभावक एवं बच्चे नगरवासियों ने स्वागत किया। बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया। अभिभावकों ने मटकी फोड़ का आनंद भी उठाया।

मप्र के महाविद्यालयों में चलेगा हरित वसुंधरा अभियान, विद्यार्थियों को पौधारोपण के भी मिलेंगे अंक

भोपाल,यशभारत। युवाओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से उच्च शिक्षा विभाग द्वारा एक पहल की जा रही है। इसके तहत इस सत्र से प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को अपने कालेज में एक पौधा लगाना होगा। इस पौधे की देखभाल भी करनी होगी। इस पौधारोपण के नंबर भी परीक्षा में जोड़े जाएंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत विभाग ने इस व्यवस्था को शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके लिए राज्यस्तरीय नैक सेल द्वारा हरित वसुंधरा अभियान शुरू किया गया है। इसके तहत महाविद्यालय के विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष 100 पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। प्रथम वर्ष के विद्यार्थी हरित दूत बनकर महाविद्यालय परिसर में एक पौधा लगाएंगे और अध्ययन काल के दौरान पौधे की देखभाल भी करेंगे। यही नहीं, कालेज छो?ने से पहले वे नए प्रथम वर्ष के किसी विद्यार्थी को पौधे को संभालने की जिम्मेदारी सौंपेंगे। महाविद्यालय अपने परिसर में एक वर्ष में कम-से-कम 100 पौधे लगवाएगा। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय छात्रों एवं कर्मचारियों को जन्मदिन, सालगिरह, पर्यावरण दिवस, पृथ्वी दिवस, जल दिवस, प्रकृति दिवस आदि विभिन्ना अवसरों पर पौधे लगाने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

विद्यार्थी को ग्रीन एम्बेसडर के रूप में सम्मानित किया जाएगा

महाविद्यालय परिसर में अभियान के लिए शिक्षक को नोडल अधिकारी और एक छात्र/छात्रा को छात्र समन्वयक के रूप में नियुक्त किया जायेगा। इको क्लब गठित किया जाएगा। महाविद्यालयों में प्रभारी को नोडल अधिकारी बनाया जाएगा। हरित वसुंधरा अभियान के तहत नोडल अधिकारी द्वारा पौधे के विकास को सुनिश्चित करने, तिमाही आधार पर जीपीएस टैग किए गए फोटोग्राफ के रिकार्ड रखे जाएंगे। अधिकतम वृक्षारोपण करने और उनकी देखभाल करने वाले विद्यार्थी को अंतिम वर्ष में संस्थान के ग्रीन एम्बेसडर के रूप में सम्मानित किया जाएगा। महाविद्यालयों में हरित वसुंधरा अभियान के तहत शैक्षणिक उद्देश्य से संबंधित पौधे, औषधीय पौधे, फलदार, इंडोर प्लांट, सजावटी हैंगिंग, खुशबूदार एवं फूलों वाले विभिन्न तरह के पौधों को रोपा जाएगा।

मप्र एथलेटिक्स के एक गुट ने संभावित नाम घोषित किए

दूसरे के ट्रायल शनिवार से

भोपाल,यशभारत। सितंबर में गुजरात में होने वाले 36 राष्ट्रीय खेलों में मप्र के एथलेटिक्स टीम कितना कमाल दिखती है, यह तो आयोजन के बाद बात पता चलेगा, लेकिन टीम चयन को लेकर मप्र में सक्रिय दोनों गुट अपने अपने दावें करने पीछे नहीं हठ रहे है। दोनों ही खुद को सही बता रहे है और अपनी अपनी टीमे चयनित कर रहे है।सुरेश प्रजापति के सचिव वाले एथलेटिक्स संघ मप्र ने अपनी टीम घोषित कर दी है, वहीं एम मुरलीधरन के सचिव वाले मप्र एथलेटिक्स संघ ने अपने ट्रायल शनिवार व रविवार को टीटी नगर स्टेडियम में आयोजित किए है। इससे पहले सुरेश प्रजापति ने दावा किया था कि हमने भी टीटी नगर स्टेडियम में ट्रायल आयोजित किए थे, इसमें 90 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया था। अब मुरलीधरन गुट ट्रायल आयोजित कर रहा है। देखना है इसमें कितने एथलीट शामिल होते है।

मप्र ओलिंपिक संघ के दावा - मप्र ओलिंपिक संघ के सचिव दिग्विजय सिंह ने पिछले दिनों राजधानी में आयोजित बैठक में कहा कि राष्ट्रीय खेलों में वहीं टीम जाएगी जिसे हम अनुमति देंगे। मप्र ओलिंपिक संघ ने सुरेश प्रजापति गुट को मान्यता दी है, वहीं एम मुरलीधरन वाले गुट को भारतीय एथलेटिक्स टीम का समर्थन प्राप्त है। अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में यहीं से खिलाड़ियों को प्रवेश मिलता है। मप्र खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त संचालक बीएस यादव ने कहा कि राष्ट्रीय खेलों में मप्र ओलिंपिक संघ ही टीम पहुंचा रहा है।

एथलेटिक्स संघ मप्र की संभावित टीम इस प्रकार है- अक्षय कुमार, आदित्य, अंकित तिवारी, मुकेश खपेड़, ज्ञानेश पाठक, कुलदीप, ओवेश अहमद फारुकी, हेमराज नायक, मोहित जाट, मंजीत सिराही, विजय कुमार जहांगीर, देवेंद्र सिंह, कृपाल सिंह व शशिकांत यादव।

महिला वर्ग - गायत्री कुमारी, नीतू प्रजापति, प्रतिभा, सुधा, रोशनी गौड़, रमा यादव, रुबी, कुसुमलता व गरिमा उइके। सीजे जायसन मैनेजर व शैलेंद्र सिंह कोच।

शराब नीति में परिवर्तन और नए प्रारुप पर कुछ दिनों में रणनीति बन जाएगी : उमा भारती

भोपाल,यशभारत। मप्र के पूर्व मुख्मंत्री उमा भारती प्रदेश की शराब नीति पर एक बार फिर अपनी बात ट्वीटर पर रखी है। उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में मेरी और मुख्यमंत्री शिवराज चौहान के साथ दो बैठकें हो चुकी हैं। वर्तमान शराब नीति में यथासंभव परिवर्तन तथा नई शराब नीति का प्रारूप दोनों पर कुछ ही दिनों में रणनीति बन जाएगी।उन्होंने कहा कि 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर मध्य प्रदेश की नारी शक्ति का भोपाल में मेरा आव्हान स्थगित नहीं होगा।बाकी बातें कुछ ही दिनों में और स्पष्ट हो कर सामने आ जाएंगी किंतु 2 अक्टूबर को भोपाल में महिलाओं का कार्यक्रम यथावत रहेगा।उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की आप सभी को शुभकामनाएं। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का संदेश- दूध दही खाओ, प्रभु के गुण गाओ, नशा मदिरा भगाओ।उल्लेखनीय है कि उमा भारती शराबबंदी को लेकर एक बार फिर मुखर हो उठी हैं और उन्होंने अक्टूबर में गांधी जयंती से नई शराबनीति में संशोधन और अहाते बंद करने को लेकर आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया है। उमा ने ट्वीट के जरिए यह जानकारी दी कि वह शराबबंदी की मांग को लेकर भोपाल में गांधी जयंती पर महिलाओं के साथ मार्च करेंगी।

लापरवाह रोजगार सहायक को नहीं मिलेगा एक महीने का वेतन

भोपाल,यशभारत। जनपद पंचायत बैरसिया की ग्राम पंचायतों में हुए विकास कार्यों की शुक्रवार को सीइओ ऋतुराज सिंह ने समीक्षा की। उन्होंने कार्य में लापरवाही बरतने पर ग्राम पंचायत कोलूखेड़ी खुर्द के रोजगार सहायक ज्ञान सिंह गुर्जर का एक महीने का वेतन काटने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही ग्राम पंचायत दमीला के सचिव सुंदरलाल वर्मा का 15 दिन और रोजगार सहायक नंदलाल गुर्जर का पांच दिन का वेतन काटने के लिए भी कहा है। वहीं बैठक में बिना कारण बताए अनुपस्थित रहे नौ सचिव और आठ रोजगार सहायकों का एक - एक दिन का वेतन काटने के निर्देश भी दिए हैं। बैठक में सीइओ ने विभाग के अधिकारियों, सचिव और रोजगार सहायकों पर नाराजगी जताई और सभी रूके हुए कार्यों को समय पर पूरा करने की हिदायत दी है। बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी आरके वर्मा, उपायुक्त विकास उमेश शर्मा सहित बैरसिया जनपद पंचायत के सहायक यंत्री, उपयंत्री उपस्थित थे।

इन सचिव और रोजगार सहायकों पर गिरी गाज

बैठक में अनुपस्थित होने पर ग्राम पंचायत दिल्लौद के सचिव जमना प्रसाद, तरावली खुर्द के सचिव खुमान सिंह, रोजगार सहायक दिनेश मीणा, नरेला दामोदर के सचिव लालराम शर्मा, रोजगार सहायक सुरेंद्र जाट, रमपुरा बालाचौन के सचिव तुलसीराम मीणा, रोजगार सहायक श्यामलाल अहिरवार, सूरजपुरा रोजगार सहायक हेमराज सिंह, खाताखेड़ी रोजगार सहायक हमीर सिंह, मजीदगढ़ सचिव धर्मेंद्र तंवर, रोजगार सहायक वीरसिंह सोलंकी, कलारा सचिव महेश सोनी, गढ़ाखुर्द सचिव सुरेंद्र सोलंकी, रोजगार सहायक नरेंद्र सोलंकी, मनीखेड़ी पार्वती के सचिव गजेंद्र दुबे, रोजगार सहायक देवराज तंवरव और चांदासलोई के सचिव जितेंद्र सोलंकी को एक - एक दिन का वेतन नहीं दिया जाएगा।

इन कार्यों की समीक्षा कर दिए सख्त निर्देश

बैठक में सीइओ ऋतुराज ने ग्राम पंचायतों में किए जाने वाले आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य, प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत द्वितीय एवं तृतीय किश्त जारी करने, प्रगतिरत कार्यों को जल्द पूरा करने, मनरेगा योजनांतर्गत श्रमिक नियोजन के संबंध में, स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण योजनांतर्गत डोर टू डोर कचरा कलेक्शन, कचरा वाहन खरीद, सेग्रीगेशन शेड निर्माण, सामुदायिक स्वच्छता परिसर और अपशिष्ट जल प्रबंधन के संबंध में समीक्षा की।

प्रदेश में अफ्रीकन स्वाइन फीवर की दस्तक, रीवा में 10 सुअरों में हुई पुष्टि

भोपाल ,यशभारत। लंपी स्किन डिसीज (एलएसडी) के बाद प्रदेश में अफ्रीकन स्वाइन फ्लू की दस्तक भी हो गई है। भोपाल स्थित उच्च सुरक्षा पशु अनुसंधान प्रयोगशाला (निशाद) में रीवा से भेजे गए 10 सैंपलों में शुक्रवार को इसकी पुष्टि हुई है, लेकिन पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारी इस इस बारे में जानकारी नहीं होने की बात कह रहे हैं। प्रदेश में पहली बार यह बीमारी आई है। इससे संक्रमित सुअरों में ज्यादातर की मौत हो जाती हैं। सावधानी के तौर पर प्रभावित सुअरों के एक किमी के दायरे में आने वाले सभी सुअरों को मार दिया जाता है, जिससे बीमारी ब?ने नहीं पाए। इसके पहले उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, केरल, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों में इस बीमारी से सुअरों के संक्रमित होने की पुष्टि निशाद में जांच के बाद हुई थी। यह बीमारी वायरस से फैलती है। इससे प्रभावित सुअरों को बुखार, दस्त,उल्टी, कान और पेट में लाल चकत्ते दिखाई देते हैं। बहुत ज्यादा संक्रामक होने की वजह से संपर्क में आने वाले दूसरे सुअर बहुत जल्दी इस बीमारी की चपेट में आ जाते हैं, इसलिए एक किमी के दायरे में आने वाले सुअरों को मार दिया जाता है। साथ ही 10 किमी के दायरे में बाहर से आने वाले सुअरों को रोक दिया जाता है।

बीयू में शुरु किया गया स्टेम सेल इंजीनियरिंग बायो मेडिकल सहित कई कोर्स बंद कर दिए गए

नैक ग्रेडिंग में शामिल होने के लिए विश्वविद्यालय कर रहा है प्रयास, कमेटियां की गई गठित

भोपाल, यशभारत। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय(बीयू) को नेशनल असेसमेंट एंड एक्रीडिटेशन काउंसिल(नैक) का बी-ग्रेड मिला है। विश्वविद्यालय प्रशासन ए-ग्रेड में आने के लिए तमाम प्रयास कर रहा है, लेकिन इस बार भी यह मुश्किल लग रहा है। बीयू में पांच से सात साल पहले शुरू किए गए कई कोर्स बंद हो गए और कई बंद होने के कगार पर है। 2014 में करोड़ों रुपये खर्च कर बायो साइंस विभाग में स्टेम सेल इंजीनियरिंग की स्थापना की गई। इस सेल की स्थापना इसलिए की गई, ताकि स्टेम सेल और टिशू इंजीनियरिंग का उपयोग करके बीमारियों के बारे में विद्यार्थी जान सकें, लेकिन इस सेल की स्थापना के बाद से स्टेम सेल इंजीनियरिंग में सिर्फ 18 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया था। इस कोर्स की शुरुआत की गई, लेकिन ना तो फैकल्टी और ना ही प्रयोग के लिए कोई सुविधाएं उपलब्ध थी। इस कोर्स में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को दूसरे संस्थान से किसी तरह कोर्स कराकर पास कराया गया। ऐसा ही हाल बायो मेडिकल व सायबर इन ला सहित अन्य कोर्स का रहा। इन कोर्स में एक भी विद्यार्थी नहीं मिलने के कारण बंद कर दिया गया। वहीं बीयू के 20 से अधिक डिप्लोमा कोर्सेस में तीन साल से जीरो प्रवेश होने के कारण बंद होने के कगार पर है। बीयू ने नैक के लिए पांच सदस्यों की कमेटी गठित कर दी है। टीम विश्वविद्यालय का हर रोज निरीक्षण कर रही है।

20 से अधिक कोर्स में जीरो प्रवेश

बीयू में डिग्री और डिप्लोमा के 20 से अधिक कोर्स में एक भी प्रवेश नहीं हुए हैं। वहीं 17 कोर्स ऐसे हैं, जिनमें एक से छह प्रवेश आए हैं। इस सत्र में बीयू में पीजी की कुल 1795 सीटों के लिए लगभग 11 सौ आवेदन आए हैं। इनमें से 556 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिए हैं। वहीं पिछले सत्र में शुरू किए नए कोर्स में भी एडमिशन नहीं हो रहे हैं।

इन कोर्सों में तीन साल से जीरो प्रवेश

एमए अरेबिक, एमए लिंग्जेस्टिक, एमएससी लिम्नोलाजी, एमएससी बायोलाजी, एमएससी एप्लाईड जियोलाजी, एमए इतिहास में एक भी प्रवेश नहीं हुए हैं। इसी तरह डिप्लोमा में मार्डन अरबिक लैंग्वेज, ईको टूरिज्म, एनिमल रिसार्स मैनेजमेंट, बायोलाजी, लिम्नोलाजी, बायोसेफ्टी एंड बायोसिक्युरिटी, मेडिकल लैब, प्लांट टीशू कल्चर, वर्मी कम्पोस्ट टेक्नालाजी, मशरूम, रूरल डेवलपमेंट, वेब एंड ग्राफिक्स, मोबाइल एप डेवलपमेंट, बिजनेस इंटेलीजेंस, इलेक्ट्रानिक मीडिया, एनर्जी आडिट मैनेजमेंट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग कोर्स में भी जीरो प्रवेश हुए हैं।

फैकल्टी और न इंफ्रास्टक्चर, कैसे संचालित हो कोर्स

बीयू में कई कोर्स शुरू तो कर दिए गए हैं, लेकिन न तो रेगुलर फैकल्टी है और न ही इंफ्रास्ट्रक्चर है। इसके चलते विद्यार्थी लगातार कम हो रहे हैं। किसी एक विभाग में कोर्स शुरू करने के लिए एक प्रोफेसर, दो एसोसिएट प्रोफेसर और चार असिस्टेंट प्रोफेसर होना अनिवार्य है। बीयू में 102 पदों में से 40 भरे हैं। जहां छह से सात शिक्षक होना चाहिए, वहां एक शिक्षक है, जो गिने चुने नियमित प्रोफेसर हैं, वे कमेटियों की बैठक या फिर विभाग के कार्यों में उलझे रहते हैं।

"स्टेम सेल इंजीनियरिंग, सायबर ला सहित तीन कोर्स में एक भी विद्यार्थी ने प्रवेश नहीं लिया। इस कारण बंद करना पड़ा। हालांकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत यूजी में कुछ नए आनर्स कोर्स शुरू किए गए हैं। विश्वविद्यालय को ए-ग्रेड में शामिल करने के लिए पूरा प्रयास कर रहे हैं।

प्रो. आरजे राव, कुलपति, बीयू

प्रदेश में नर्सिंग कालेज खोलने के लिए अब 25 लाख लगेगी बैंक गारंटी

भोपाल,यशभारत। प्रदेश में नर्सिंग कालेज खोलने के लिए अब 25 लाख रुपये बैंक गारंटी देनी होगी। अभी यह 10 लाख थी। इस संबंध में शासन ने एक अगस्त से नियमों में बदलाव कर दिया है। इसका उद्देश्य यह है कि नर्सिंग कालेज पूरे मापदंड के साथ खुलें। बैंक गारंटी कम होने पर कोई भी व्यक्ति कालेज खोल लेता है, लेकिन मापदंड पूरे नहीं करता। इस वजह से गुणवत्ता प्रभावित होती है। इंडियन नर्सिंग काउंसिल के मापदंड पर खरा नहीं उतरने की वजह से प्रदेश में करीब 200 नर्सिंग कालेजों की मान्यता हाईकोर्ट के निर्देश के बाद इस साल खत्म की जा चुकी है।चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि फार्मेसी कालेज खोलने के लिए 50 लाख रुपये की बैंक गारंटी लगती है। नर्सिंग कालेज के खोलने के लिए भी इतनी ही बैंक गांरटी करने का

प्रस्ताव था, लेकिन बाद में 25 लाख करने पर सहमति बनी। आगे चलकर नर्सिंग कालेजों की गुणवत्ता में सुधार के लिए कुछ और प्रविधान करने की तैयारी है। चिकित्सा शिक्षा विभाग का यह भी प्रस्ताव है कि नर्सिंग कालेजों में पढ़ाने वाले फैकल्टी का आधार सत्यापन अनिवार्य कर दिया जाए ताकि फैकल्टी की हकीकत पता चल सके। एक फैकल्टी का नाम एक से अधिक कालेज में दर्ज है, तो पता चल जाएगा। बता दें कि प्रदेश में नर्सिंग कालेजों की गुणवत्ता पर पिछले करीब 10 साल से सवाल उठ रहे हैं।

कैमोर नगर परिषद अध्यक्ष ने किया पीआईसी का गठन

पार्षद पलक ग्रोवर को वित्त एवं राजस्व सुरेश परौहा को लोक निर्माण का प्रभार

कैमोर,यशभारत। कैमोर नगर परिषद की नव निर्वाचित अध्यक्ष मनीषा अजय शर्मा ने संविधान में वर्णित शक्तियों का उपयोग करते हुए क्षेत्रीय विधायक संजय सत्येंद्र पाठक की सहमति से पीआईसी प्रेसिडेंट इन काउंसिल का गठन कर दिया है ताकि परिषद अपने दायित्वों का कुशलता पूर्वक निर्वहन कर सके। पीआईसी में वार्ड क्रमांक 2 से निर्वाचित पार्षद पलक ग्रोवर को सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपते हुए सामान्य प्रशासन, वित्त, राजस्व एवं लेखा समिति का पर प्रभारी बनाया गया है। पार्षद ऋचा नवेत एवं पार्षद विनीता कोल इस समिति में सदस्य के रूप में शामिल हैं। वार्ड क्रमांक 6 के पार्षद वीरेंद्र सिंह को जल कार्य, सीवरेज, स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन समिति का प्रभार सौंपा गया है। उपाध्यक्ष सन्तोष केवट एव अनीता सेन को समिति का सदस्य बनाया गया है। पूर्व उपाध्यक्ष एव तीसरी बार निर्वाचित वार्ड नं 8 के पार्षद सुरेश परौहा को लोक निर्माण, उद्यान, विद्युत यांत्रिकी समिति का

प्रभारी बनाया गया है। पार्षद राजेश पांडेय एव अनीता कोल समिति की सदस्य नियुक्त की गई हैं। दूसरी बार निर्वाचित पार्षद शांति यादव को योजना, यातायात परिवहन एवं सूचना प्रौद्योगिकी समिति का प्रभार सौंपा गया है जबकि पार्षद उमेश शर्मा एवं अनीता सेन समिति की सदस्य बनाई गई हैं। वार्ड क्रमांक 12 से निर्वाचित पार्षद शरीफ खान उर्फपप्पू टेलर को शहरी गरीबी उपशमन विभाग का प्रभारी बनाया गया है। पार्षद वीरेंद्र बैगा एव रिजवाना सद्दाम समिति की अध्यक्ष नियुक्त की गई हैं। पी आई सी के गठन के साथ ही अध्यक्ष मनीषा अजय शर्मा ने विशेष रुचि के साथ नगर के विकास कार्यों पर ध्यान देना शुरू कर दिया है। सुबह सवेरे ही वे पार्षदों के साथ अलग अलग वार्डों के भ्रमण पर निकल जाती हैं। सुबह सफाई कार्य के निरीक्षण के साथ वे नगर परिषद से सम्बन्धित लोगों की समस्याएं भी सुनती हैं। सुबह साढ़े 10 बजे से वे नगर परिषद कार्यालय के अपने कक्ष में बैठकर पार्षदों एवं नगर परिषद के अधिकारियों कर्मचारियों से चर्चा करती हैं। नगर में सड़कों के सुधार के साथ साथ बस स्टैंड के निर्माण और पनिहाई धाम का सौंदर्यीकरण उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

महिला पार्षद ने स्वच्छता अभियान से की शुरुआत

कैमोर,यशभारत। नगर परिषद कैमोर के वार्ड क्रमांक 4 खलवारा बाज़ार से निर्वाचित पार्षद ऋचा नवेत ने पार्षद के रूप में अपने दायित्व के निर्वहन की शुरुआत स्वच्छता अभियान से की। उन्होंने अपने निजी व्यव से खलवारा बाजार के दुकानदारों को डस्टबीन निःशुल्क वितरित करते हुए सभी से अनुरोध किया कि वे अपनी दुकानों से निकला कचरा डस्टबिन में ही डालें। वार्ड को साफसुथरा रखें। सिंगल यूज प्लास्टिक और पॉलीथिन का उपयोग बिल्कुल भी न करें। पार्षद ऋचा के इस कार्य की सराहना सभी वार्डवासियों ने की। उल्लेखनीय है कि एमएससी तक की शिक्षा प्राप्त ऋचा नवेत तपस्या ग्रुप के संचालक मनीष नवेत की पत्नी हैं तथा पार्षद बनने से पहले भी वे तपस्या ग्रुप के साथ मिलकर समाजसेवी कार्यों में अपना योगदान देती रहीं हैं।

स्वाधीनता पर्व पर तिरंगे में रंगी उद्योग नगरी

रिमझिम फुहारों के बीच जगह-जगह हुआ ध्वजारोहण, मेघों ने दी सलामी, बरसती बूंदों में गूंजा राष्ट्रगान

कैमोर, यशभारत। स्वाधीनता की 75 वीं वर्षगांठ पर पूरी उद्योग नगरी तिरंगे के रंग में रंगी नज़र आई। एसीसी प्लांट का सैकड़ों फुट ऊंचा प्री हीटर भी लाल-सफेद और हरे रंग की रोशनी से जगमगाता दिखा। एसीसी के भवनों से लेकर सभी शासकीय भवनों और शालाओं को रंगीन रोशनियों से सजाया गया था। एसीसी जिमखाना में स्कूली बच्चों ने स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर देश प्रेम का संदेश देने वाले एक से बढ़कर एक रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। 15 अगस्त की सुबह से ही जगह-जगह ध्वजारोहण समारोहों का सिलसिला शुरू हुआ जो रिमझिम फुहारों के बीच भी 10 बजे तक चलता ही रहा। ऐसा लग रहा था मानो आसमान पर छाये मेघ खुद तिरंगे को सलामी दे रहे हों। बारिश की बूंदें भी राष्ट्रगान की धुन के साथ अपनी तान छेड़ रही थीं। सभी जगह स्वाधीनता का उल्लास बिखरा हुआ था।

एसीसी रामलीला मैदान में हुआ मुख्य समारोह

स्वाधीनता दिवस का मुख्य समारोह हर बार की तरह इस बार भी एसीसी के रामलीला मैदान में आयोजित किया गया जहां मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित एसीसी के डायरेक्टर प्लांट के आर रेड्डी द्वारा ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली गई। मार्च पास्ट में एसीसी के सुरक्षा दस्ते सहित एसीसी और डीएवी स्कूल के विद्यार्थी भी शामिल रहे। किड्स गार्डन के नन्हे मुन्ने बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं।मुख्य अतिथि डायरेक्टर प्लांट श्री रेड्डी ने आजादी की 75 वीं सालगिरह पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए नगर और देश के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। खेल एवं अन्य गतिविधियों के विजेताओं को पुरुस्कार बांटे गये। एसीसी में दीर्घ सेवाएं देने वाले कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह, उपहार और पदक प्रदान किये गए। इस अवसर पर एसीसी लेडीज क्लब की ओर से अन्नपूर्णा सहित अनेक रंगारंग कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

नगर परिषद में नव निर्वाचित अध्यक्ष ने फहराया तिरंगा

नगर परिषद कार्यालय में आयोजित समारोह में नव निर्वाचित अध्यक्ष मनीषा अजय शर्मा द्वारा ध्वजारोहण किया गया। मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन सीएमओ धर्मेन्द्र शर्मा ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में अपना उद्बोधन देते हुए अध्यक्ष मनीषा अजय शर्मा ने सबसे पहले उन अमर शहीदों को नमन किया जिनकी कुर्बानियों से देश को आज़ादी मिली। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा। केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वाश के सिद्धांत के साथ काम कर रही। विकास का यह सिलसिला कैमोर में भी निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक से संजय सत्येंद्र पाठक के मार्गदर्शन तथा अपने परिषद के सभी सदस्यों के साथ मिलकर काम करने की बात कही साथ ही अनेक प्रस्तावित विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए सभी के सहयोग से उन्हें शीघ्र पूरा कराने का संकल्प लिया।

पार्षद पलक नमित ग्रोवर नहीं लेंगी मानदेय

नगर में सर्वाधिक मतों से जीत दर्ज करने वाली वार्ड क्रमांक 3 की करोड़पति पार्षद एव सामान्य प्रशासन, वित्त एव राजस्व समिति की अध्यक्ष पलक ग्रोवर ने नगर परिषद का हिस्सा बनने को गौरव का पल बताते हुए सभी का आभार जताया। उन्होंने नगर में अनेक विकास कार्यों के माध्यम से राजस्व में वृद्धि कर कैमोर को एक बार फिर प्रदेश की अग्रणी नगर परिषद का दर्जा दिलाने की बात कही। साथ ही नगर परिषद के कर्मचारियों के लिए आवास एवं स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम करने पर जोर दिया। पार्षद पलक नमित ग्रोवर ने मंच से ही एक बड़ा एलान करते हुए कहा कि वे शासन की ओर से पार्षदों को दिया जाने वाला मानदेय और भत्ता नहीं लेंगी। पार्षद पलक ग्रोवर की इस घोषणा की सभी ने सराहना की। मानदेय का त्याग करने वाली वे जिले की पहली पार्षद बन गई हैं।

श्रमधाम में ध्वजारोहण के बाद जनप्रतिनिधियों का सम्मान

स्थानीय श्रमधाम कला, वाणिज्य एवं बी एड महाविद्यालय में स्वाधीनता समारोह श्रमधाम सेवा संस्थान के अध्यक्ष विनोद मिश्रा की अध्यक्षता एवं नगर परिषद की नव निर्वाचित अध्यक्ष मनीषा अजय शर्मा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। नगर परिषद के उपाध्यक्ष संतोष केवट विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं श्रमधाम सेवा संस्थान की नींव रखने वाले पूर्व विधायक स्व पं. आर के शर्मा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई तत्पश्चात मुख्य अतिथि मनीषा अजय शर्मा द्वारा ध्वजारोहण किया गया। राष्ट्रगान प आर के शर्मा स्मृति स्कूल के बच्चों द्वारा गाया गया। ध्वजारोहण के अवसर पर श्रमधाम कॉलेज एवं आर के शर्मा स्मृति स्कूल के स्टाफ सहित संस्थान के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। ध्वजारोहण के पश्चात महाविद्यालय परिवार की ओर से नगर परिषद अध्यक्ष मनीषा अजय शर्मा एवं उपाध्यक्ष संतोष केवट के सम्मान में समारोह का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के अध्यक्ष विनोद मिश्रा, प्राचार्य डॉ एस के शर्मा, महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष के के चन्द्रा द्वारा शाल, श्रीफल और पुष्पगुच्छ भेंटकर जनप्रतिनिधियों का सम्मान किया गया। महाविद्यालय स्टाफ़की ओर से संस्थान के पदाधिकारियों एवं समारोह में उपस्थित अन्य जनप्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया गया। अध्यक्ष मनीषा अजय शर्मा ने सभी को स्वाधीनता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए संस्थान की ओर से मिले सम्मान के प्रति आभार जताया साथ ही देश प्रेम का संदेश देने वाले गीत की प्रभावी प्रस्तुति दी। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित परिषद उपाध्यक्ष संतोष केवट ने अपने उदबोधन में कहा कि वे श्रमधाम महाविद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं। आज वे जो कुछ भी हैं सब गुरुजनों के आशीर्वाद का फल है। उन्होंने से सभी प्राध्यापकों एवं प्राचार्य को नमन करते हुए सभी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। मंच पर जनप्रतिनिधियों एवं श्रमधाम संस्थान के पदाधिकारियों सहित वरिष्ठ अधिवक्ता एड रवि दीक्षित एवं कांग्रेस के प्रदेश सचिव श्याम तिवारी भी मंचासीन रहे। सम्मान समारोह का संचालन हिंदी की विभागाध्यक्ष एवं सांस्कृतिक प्रभारी डॉ आशा तिवारी ने किया। सम्मान समारोह के पश्चात महाविद्यालय एवं स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर संस्थान के पदाधिकारी गुरुदीप सिंह बेदी, ज्योति तिवारी, राजा दुबे, अशिक बेग, स्वाति द्विवेदी, श्री पटेल, पूर्व उपाध्यक्ष अजय पप्पू शर्मा, पार्षद राजेश पांडेय, पूर्व पार्षद जावेद मियांदाद, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के नगर अध्यक्ष स्टेनली जॉर्ज, पिछडा वर्ग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष नीलेश रजक, अभिषेक खम्परिया, शुभ खम्परिया, महाविद्यालय परिवार से संतोष तिवारी सर, विश्वकर्मा मैडम, प्रीति मैडम, आर के शर्मा स्मृति स्कूल के प्रधानाध्यापक विनोद तिवारी, परवीन बानो, भाजपा महिला मोर्चे की अध्यक्ष सुनीता दाहिया, खेल शिक्षक श्री प्यासी, रफ़ीक भाईजान सहित स्टाफ़की उपस्थिति रही।

पार्षद ऋचा नवेत ने कहा अपने नगर को बनाएंगे नं.1

वार्ड क्रमांक 4 की पार्षद ऋचा नवेत ने कहा कि स्वच्छ्ता के मामले में कैमोर नगर परिषद को प्रदेश में नम्बर 1 बनाना है। नगर के लोकप्रिय सामाजिक संगठन तपस्या ग्रुप से जुड़कर वे पहले भी समाजसेवा करती रहीं हैं अब मतदाताओं ने उन्हें अपना प्रतिनिधि चुनकर परिषद में भेजा है जहां वे उनके हित में काम करेंगी। सभी मिलकर न केवल स्वच्छता के क्षेत्र में बल्कि विकास कार्यों में भी कैमोर को प्रदेश में सबसे आगे ले जाएंगे। समारोह में परिषद के नव निर्वाचित उपाध्यक्ष संतोष केवट पूर्व उपाध्यक्ष अजय शर्मा, उद्योगपति नमित ग्रोवर, समाजसेवी मनीष नवेत, जावेद मियांदाद वरिष्ठ पार्षद सुरेश परौहा, शांति यादव, अनीता कोल, अनीता सेन, उमेश शर्मा, वीरेंद्र सिंह, विनीता कोल, वीरेंद्र बैगा, पप्पू टेलर, रिजवाना सद्दाम, राजेश पांडेय, सीएमओ धर्मेन्द्र शर्मा, पृथ्वीराज सिंह, मुबीन अंसारी, इंजीनियर हिमांशु गौतम सहित परिषद के समस्त अधिकारी कर्मचारी एव वरिष्ठ भाजपा नेताओं की उपस्थिति रही।

पुरवार हाई स्कूल एवं जैन विद्यालय में फहरा तिरंगा

शिव नगर स्थित शासकीय पुरवार हाई स्कूल एव दिगम्बर जैन उच्चतर माध्यमिक शाला में आज़ादी की 75 वीं वर्षगांठ पर पूरी गरिमा और उल्लास के साथ ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया वहीं उपनगरीय क्षेत्र माधवनगर स्थित डायमंड इंग्लिश उच्चतर माध्यमिक शाला में भी स्वाधीनता पर्व पर अमृत महोत्सव की धूम रही। शासकीय पुरवार हाई स्कूल में प्राचार्य आलोक पाठक की अध्यक्षता में स्वाधीनता दिवस समारोह का आयोजन किया गया जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित वार्ड पार्षद ओम प्रकाश सोनी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। तिरंगे को सलामी और राष्ट्रगान के पश्चात शाला के विद्यार्थियों ने देश भक्ति के रंग में रंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में अनिरुद्ध पुरवार, पालक शिक्षक संघ के अध्यक्ष रामकुमार विश्वकर्मा, शाला की शिक्षिकाएं पदमा सराफ, अभिलाषा श्रीवास्तव, नीलम तिवारी, सविता बड़गइयां, ज्योत्सना मिश्रा, किरण दुबे की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका किरण दुबे द्वारा किया गया।

जैन विद्यालय में संयुक्त समारोह

दिगम्बर जैन शिक्षा संस्था द्वारा संचालित जैन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जैन पूर्व माध्यमिक शाला, जैन प्राथमिक शाला और लार्ड महावीरा इंग्लिश मीडियम स्कूल का संयुक्त समारोह आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जैन पाठशाला ट्रस्ट के अध्यक्ष ससि प्रसन्न कुमार जैन द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर ससि सुधीर कुमार जैन, राजकुमार जैन, ससि अनिल कुमार जैन, प्रेमचन्द जैन, दिगम्बर जैन संस्था के अध्यक्ष अनूप सिंघई, शालू सिंघई, शरद सरावगी, राजेन्द्र जैन, मनोज कुमार जैन, श्रेयांश कुमार जैन, ससि अभिषेक कुमार जैन, राजेश कुमार जैन, आशीष जैन, अंकित जैन सहित विद्यालय की पूर्व प्राचार्य शर्मिला ताल्लुकदार उपस्थित रहीं। अतिथियों ने सरस्वती पूजन के पश्चात देश के स्वाधीनता सेनानियों एवं सीमाओं पर बलिदान देने वाले अमर शहीदों को अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के शिक्षक चंद्रकांत गुप्ता ने किया। आभार प्रदर्शन प्राचार्य दीपक देशपाण्डेय द्वारा किया गया। कुमकुम कुमार, पार्वती असाटी एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। जैन शिक्षा द्वारा संचालित सन्मति सागर जैन कन्या उ.मा.वि में ध्वजारोहण समारोह दिगम्बर जैन शिक्षा संस्था के अध्यक्ष अनूप सिंघई के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ससि प्रसन्न कुमार जैन, ससि सुधीर कुमार जैन, ससि अनिल कुमार जैन, राजकुमार जैन, अंकित जैन आदि की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका नीता खरे द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन प्राचार्य एस.के. मिश्रा ने किया। विद्यालय की छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के पश्चात मिष्ठान वितरण किया गया। माधवनगर स्थित डायमंड इग्लिश उ.मा. वि. में समाजसेवी उद्योगपति ओमप्रकाश नाऊमल सचदेवा के मुख्य आतिथ्य में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के उपाध्यक्ष ईदनदास पोपटानी ने की। सिंधु सेवा विकास मंडल के अध्यक्ष रामचंद आसरानी एवं शालेय समिति के अध्यक्ष अर्जुन दास टहलरामानी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि द्वारा शाला को दो वॉटर कूलर भेंट किए गए। जयरामदास मिहानी, पीआर वीरवानी, दीपक भीमनानी आदि अतिथियों ने अपने उदबोधन में स्वाधीनता संग्राम से विद्यार्थियों को अवगत कराया।

एशिया कप 2022 के लिए हुआ सभी टीमों के स्क्वॉड का ऐलान

पूरा शेड्यूल, मैच टाइमिंग और लाइव स्ट्रीमिंग डिटेल

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2022 का आगाज यूएई में 27 अगस्त से होने जा रहा है। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच होगा, वहीं भारत अपने अभियान का आगाज 28 अगस्त को चिर-प्रतिद्वंदी पाकिस्तान के खिलाफ खेलकर करेगा। एशिया कप के 15वें संस्करण की मेजबानी श्रीलंका को मिली थी, मगर देश में चल रहे आर्थिक संकट को देखते हुए बोर्ड ने अपने हाथ पीछे खींच लिए।इस बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में इस साल भारत के अलावा कुल 6 टीमें हिस्सा ले रही है जिसमें पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान की टीम शामिल हैं। एक अन्य टीम क्वालीफायर राउंड पर कर इन टीमों के साथ जुड़ेगी। इन टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप ए में भारत और पाकिस्तान के साथ क्वालीफाई करने वाली टीम होगी, वहीं ग्रुप बी में श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान हैं।

एशिया कप के लिए सभी टीमों का स्क्वॉड इस प्रकार है

भारत - रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, दीपक हुड्डा, दिनेश कार्तिक, हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, आर अश्विन, युजवेंद्र चहल, रवि बिश्नोई, भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह, अवेश खान।

पाकिस्तान - बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान, आसिफ अली, फखर जमान, हैदर अली, हारिस रऊफ, इफ्तिखार अहमद, खुशदिल शाह, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह, शाहीन शाह अफरीदी, शाहनवाज दहानी, उस्मान कादिर।

अफगानिस्तान- मोहम्मद नबी (कप्तान), नजीबुल्लाह जादरान (उपकप्तान), अफसर जजई (विकेटकीपर), अजमतुल्लाह ओमरजई, फरीद अहमद मलिक, फजल हक फारूकी, हशमतुल्ला शाहिदी, हजरतुल्लाह जजई, इब्राहिम जादरान, करीम जनत, मुजीब उर रहमान, नजीबुल्लाह जादरान, नूर अहमद, नजीबुल्ला जादरान, नूर अहमद रहमानुल्ला गुरबाज, राशिद खान, समीउल्लाह शिनवारी। रिजर्व खिलाड़ी- निजात मसूद, कैस अहमद, शराफुद्दीन अशरफ।

बांग्लादेश-शाकिब अल हसन (कप्तान), अनामुल हक, मुशफ़िकुर रहीम, अफिक मोसद्देक हुसैन, महमुदउल्लाह रियाद, महेदी हसन, मोहम्मद सैफुद्दीन, हसन महमूद, मुस्ताफ़िज़ुर रहमान, नासुम अहमद, शब्बीर रहमान, महेदी हसन मिराज, इबादत हुसैन, परवेज हुसैन इमॉन, नुरुल हसन सोहन, तस्कीन अहमद। कगिसो रबाडा का टेस्ट क्रिकेट में कहर, डेल स्टेन के बाद ऐसा करने वाले बने दुनिया के दूसरे गेंदबाज

श्रीलंका- दासुन शनाका (कप्तान), धनुष्का गुणथिलका, पथुम निसंका, कुसल मेंडिस, चरित असलंका, बानुका राजपक्षे, आशेन बंडारा, धनंजया डी सिल्वा, वनिदु हसरंगा, महेश थीक्षाना, जेफ़री वांडरसे, प्रवीण जयविक्रेमा, दुष्मंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, चामिका फर्नांडो, मदुशंका, मथीशा पथिराना, दिनेश चांदीमल, नुवानिंदु फर्नांडो और कसुन रजिता।

एशिया कप 2022 का पूरा शेड्यूल इस प्रकार है

पहला मैच - 27 अगस्त - श्रीलंका बनाम अफगानिस्तान - दुबई
दूसरा मैच - 28 अगस्त - भारत बनाम पाकिस्तान - दुबई
तीसरा मैच - 30 अगस्त - बांग्लादेश बनाम अफगानिस्तान - शारजाह
चौथा मैच - 31 अगस्त - भारत बनाम क्वालीफायर - दुबई
पांचवां मैच - 1 सितंबर - श्रीलंका बनाम बांग्लादेश - दुबई
छठा मैच - 2 सितंबर - पाकिस्तान बनाम क्वालीफायर - शारजाह
सातवां मैच - 3 सितंबर - बी1 बनाम बी2 - शारजाह
आठवां मैच - 4 सितंबर - ए1 बनाम ए2 - दुबई
नौवां मैच - 6 सितंबर - ए1 बनाम बी1 - दुबई
दसवां मैच - 7 सितंबर - ए2 बनाम बी2 - दुबई
11वां मैच - 8 सितंबर - ए1 बनाम बी2 - दुबई
12वां मैच - 9 सितंबर - बी1 बनाम ए2 - दुबई
फाइनल मैच - 11 सितंबर -

एशिया कप 2022 लाइव स्ट्रीमिंग डिटेल

एशिया कप 2022 का लाइव टेलिकास्ट भारत में स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर होगा, वहीं मोबाइल पर इस टूर्नामेंट के मैचों का लुत्फ फैंस हॉटस्टार पर भी उठा सकते हैं। भारतीय समयानुसार सभी मुकाबले 7 बजकर 30 मिनट पर शुरू होंगे।

वसीम जाफर ने 'Bazball' को लेकर इंग्लैंड को जमकर किया ट्रोल, इस तरह उड़ाई खिल्ली

नई दिल्ली,एजेंसी। लॉर्ड्स टेस्ट में साउथ अफ्रीका के खिलाफ मिली करारी हार के बाद भारतीय पूर्व सलामी बल्लेबाज और क्रिकेट एक्सपर्ट वसीम जाफर ने इंग्लैंड टीम की खिल्ली उड़ा है। वसीम जाफर ने 'Bazball' को लेकर इंग्लिश टीम को जमकर ट्रोल किया है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में इंग्लैंड को पारी और 12 रनों से हार का सामना करना पड़ा। मेहमान टीम ने इस जीत के साथ तीन मैच की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दरअसल, जब से ब्रैंडन मैक्कुलम इंग्लैंड टेस्ट टीम के कोच बने है तब से 'Bazball' काफी चर्चा में है। चौथी पारी में इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने पिछले कुछ समय में बड़े-बड़े लक्ष्य हासिल कर जीत दर्ज की है। न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार तीन बार इंग्लैंड ने 250 से अधिक रनों का सफलतापूर्वक पीछा किया, वहीं भारत के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट की चौथी पारी में 378 रन बनाकर जीत दर्ज की। मैक्कलम BazBall विचारधारा के जनक कहे जाते हैं। मैक्कलम का निकनेम Baz है और उनके इसी निकनेम पर BazBall विचारधारा का इस्तेमाल किया जाने लगा। मैक्कलम का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट को खेलने के तरीके में बदलाव की जरूरत थी। मजबूत विरोधी टीम के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी कर दबाव बनाने की रणनीति का उन्होंने अपने करियर के दौरान इस्तेमाल किया और इसका फायदा भी मिला। अब इंग्लैंड भी BazBall रणनीति पर ही खेल रही है।

धरा रह गया इंग्लैंड का बैजबॉल, साउथ अफ्रीका ने लॉर्ड्स टेस्ट में पारी से पटका

नई दिल्ली,एजेंसी। शुक्रवार को साउथ अफ्रीका ने इंग्लैंड का 'bazball' का घमंड तोड़ते हुए लॉर्ड्स में पारी और 12 रनों से बड़ी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ मेहमान टीम तीन मैच की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना चुकी है। साउथ अफ्रीका की इस कामयाबी अहम योगदान तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा का रहा जिन्होंने पहली पारी में 5 तो दूसरी पारी में 2 विकेट चटकाएं। रबाडा को उनकी लाजवाब परफॉर्मेंस की वजह से मैन ऑफ द मैच के अवॉर्ड से भी नवाजा गया। रबाडा ने इन 7 विकेट के साथ टेस्ट क्रिकेट में 250 विकेट पूरे कर लिए हैं। टेस्ट क्रिकेट में रबाडा सबसे कम गेंदों में 250 विकेट लेने वाले दुनिया के दूसरे गेंदबाज बन गए हैं। उनके आगे हमवतन डेल स्टेन ही हैं। कगिसो रबाडा ने क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में 10,065 गेंदें फेंककर 250 विकेट चटकाए हैं। वहीं इस मुकाम तक पहुंचने के लिए पूर्व अफ्रीकी तेज गेंदबाज डेल स्टेड ने 9927 ही गेंदें ली थी। इस सूची में पाकिस्तान के वकार यूनिस 10,170 गेंदों के साथ तीसरे, एलन डोनाल्ड 11,559 के साथ चौथे और मैलकम मार्शल 11,690 के साथ पांचवें पायदान पर हैं। वहीं सबसे कम पारियों में 250 विकेट लेने वाले गेंदबाजों की बात करें तो रबाडा संयुक्त रूप से 6ठें पायदान पर हैं। इस सूची में टॉप पर एलन डोनाल्ड और डेल स्टेन हैं जिन्होंने 90-90 पारियों में 250 विकेट चटकाए थे, वहीं रबाडा ने यह कारनामा करने के लिए 97 पारियां लीं।

सबसे कम पारियों में 250 टेस्ट विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज

90 - एलन डोनाल्ड
90 - डेल स्टेन
91 - वकार यूनुस
92 - डेनिस लिली
94 - इमरान खान
94 - इयान बॉथम
96 - रिचर्ड हैडली
97 - मैल्कम मार्शल
97 - कगिसो रबाडा*

वसीम जाफर ने 'Bazball' को लेकर इंग्लैंड को जमकर किया ट्रोल, इस तरह उड़ाई खिल्ली लॉर्ड्स टेस्ट में साउथ अफ्रीका के खिलाफ इंग्लैंड को पारी और 12 रनों से हार का सामना करना पड़ा। मेहमान टीम ने इस जीत के साथ तीन मैच की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है।

आलिया बोलीं- कई मौकों पर सेक्सिज्म का सामना करना पड़ता है

एक्ट्रेस आलिया भट्ट इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म डार्लिंग्स को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। अब हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में आलिया भट्ट ने कैजुअल सेक्सिज्म फेस करने और रेंडम सेक्सिस्ट कमेंट्स कैसे उन्हें परेशान करते हैं, इन बातों पर उन्होंने बात की है। आलिया ने यह भी बताया कि फिल्म इंडस्ट्री में भी कई मौकों पर उन्हें सेक्सिज्म का सामना करना पड़ता है। आलिया जल्द ही %डार्लिंग्स% में नजर आने वाली हैं। यह एक डार्क कॉमेडी फिल्म है, जिसमें आलिया एक ऐसी महिला की भूमिका निभाती है, जो घरेलू शोषण के बाद अपने पति से बदला लेती है। आलिया ने इंटरव्यू में बताया कि कैसे महिलाओं को समाज में बुरी चीजों को सहन करना सिखाया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के रेंडम कमेंट्स सुनने पर गुस्सा आता है और बुरा भी लगता है।

बिलकिस बानो मामले के दोषियों का स्वागत होने पर भड़कीं उर्फी जावेद, बोलीं ऐसा देश जहां...

मुंबई एजेंसी। उर्फी जावेद अक्सर ही अपने बयानों और फैशन सेंस को लेकर लाइमलाइट में बनी रहती हैं। इसके साथ ही उर्फी देश में चल रहे मुद्दों पर भी बेबाकी से अपनी राय रखती हैं, जिसके चलते कई बार वह ट्रोल्स के निशाने पर भी आ जाती हैं। इस बार उर्फी जावेद गुजरात के चर्चित बिलकिस बानो मामले को लेकर भड़क गईं और सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर अपना गुस्सा जाहिर किया। दरअसल, हाल ही में बिलकिस बानो गैंगरेप मामले के 11 दोषियों को जेल से रिया किया गया है, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। इन तस्वीरों में दोषियां का जेल से रिहा होने पर स्वागत किया जा रहा है, जिसको लेकर लोग आग बबूला हो गए हैं। उर्फी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक फोटो शेयर किया है, जिसमें लिखा है कि निर्भया के लिए कैंडल मार्च निकाला गया और बिलकिस बानो के लिए विक्ट्री मार्च। इसमें बिलकिस बानो के केस दोषियों का परिवार उनका स्वागत करता नजर आ रहा है। उर्फी ने स्टोरी के साथ लिखा, च्भारत में आपका स्वागत है, जहां एक पूरे परिवार का रेप करने के बाद आपका फूलों के साथ स्वागत किया जाता है। इसके साथ ही उर्फी ने एक और स्टोरी शेयर की है, जिसमें गोधरा के भाजपा विधायक राउलजी का बयान है जो दोषियों को ब्राह्मण और अच्छे संस्कार वाले बता रहे हैं। इस पर उर्फी ने लिखा, च्तो इसका मतलब है कि अच्छा ब्राह्मण होना आपको किसी का रेप करने और उससे बाहर निकलने का टिकट दे देता है। 75वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं। बता दें कि 2002 में गुजरात दंगों के दौरान 11 लोगों ने बिलकिस बानो के साथ गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया था। 2008 में कोर्ट ने 11 लोगों को दोषी पाने के बाद आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। लेकिन 14 साल की सजा काटने के बाद गुजरात सरकार ने 15 अगस्त के दिन सभी दोषियों को माफी देखकर रिहा कर दिया है। इस फैसले को लेकर विरोध बढ़ता जा रहा है।

खुशी कपूर को देख सोशल मीडिया यूजर्स को याद आई उर्फी जावेद, दीपिका पादुकोण और सुहाना खान ने भी किया कमेंट

मुंबई एजेंसी। बॉलीवुड की बेहतरीन अभिनेत्री रहीं श्रीदेवी (Sridevi) की बेटी व एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर की बहन खुशी कपूर इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। खुशी कपूर अक्सर सोशल मीडिया पर अपने फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं, जिन्हें सोशल मीडिया यूजर्स काफी पसंद करते हैं, इस बीच खुशी के लेटेस्ट फोटोज तेजी से वायरल हो रहे हैं। इन फोटोज को एक ओर जहां कई सेलेब्स ने पसंद किया है और कमेंट्स में तारीफ की है तो दूसरी ओर कुछ ने कमेंट्स में उर्फी जावेद का भी जिक्र किया है।

क्या है खुशी का पोस्ट और सोशल मीडिया रिएक्शन

खुशी कपूर इंस्टा पर एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने फोटोज वीडियोज शेयर करती हैं। इस बीच खुशी कपूर ने ब्लैक स्किन हग कट आउट ड्रेस में अपनी एक फोटो शेयर की, जो ट्राएंगल जिग जैग कट्स के साथ थी, जिस में वो काफी सिजलिंग दिख रही थीं। कुछ ही देर में खुशी कपूर का फोटोशूट वायरल हो गया। कुछ ने खुशी केपोस्ट में कमेंट करते हुए उनकी तुलना उर्फी जावेद से की है। वहीं दीपिका पादुकोण, करिश्मा कपूर, जाह्नवी कपूर, आलिया कश्यप और सुहाना खान ने भी कमेंट करते हुए खुशी की तारीफ की है।

डेब्यू के लिए तैयार खुशी कपूर

बता दें कि खुशी कपूर बॉलीवुड डेब्यू के लिए तैयार हैं। खुशी, जोया अख्तर की अपकमिंग फिल्म द आर्चीज से डेब्यू करने वाली हैं। इस फिल्म से शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान का भी डेब्यू होगा। वहीं अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा भी इसी फिल्म से अपनी पारी की शुरुआत करेंगे। बता दें कि फिल्म के पोस्टर और टीजर कुछ वक्त पहले रिलीज हुए थे, जिन्हें मिक्स रिस्पॉन्स मिला था। बॉलीवुड की बेहतरीन अभिनेत्री रहीं श्रीदेवी की बेटी व एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर की बहन खुशी कपूर इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। खुशी कपूर अक्सर सोशल मीडिया पर अपने फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं, जिन्हें सोशल मीडिया यूजर्स काफी पसंद करते हैं, इस बीच खुशी के लेटेस्ट फोटोज तेजी से वायरल हो रहे हैं। इन फोटोज को एक ओर जहां कई सेलेब्स ने पसंद किया है और कमेंट्स में तारीफ की है तो दूसरी ओर कुछ ने कमेंट्स में उर्फी जावेद का भी जिक्र किया है।

क्या है खुशी का पोस्ट और सोशल मीडिया रिएक्शन

खुशी कपूर इंस्टा पर एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने फोटोज वीडियोज शेयर करती हैं। इस बीच खुशी कपूर ने ब्लैक स्किन हग कट आउट ड्रेस में अपनी एक फोटो शेयर की, जो ट्राएंगल जिग जैग कट्स के साथ थी, जिस में वो काफी सिजलिंग दिख रही थीं। कुछ ही देर में खुशी कपूर का फोटोशूट वायरल हो गया। कुछ ने खुशी केपोस्ट में कमेंट करते हुए उनकी तुलना उर्फी जावेद से की है। वहीं दीपिका पादुकोण, करिश्मा कपूर, जाह्नवी कपूर, आलिया कश्यप और सुहाना खान ने भी कमेंट करते हुए खुशी की तारीफ की है। बता दें कि खुशी कपूर बॉलीवुड डेब्यू के लिए तैयार हैं। खुशी, जोया अख्तर की अपकमिंग फिल्म द आर्चीज से डेब्यू करने वाली हैं। इस फिल्म से शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान का भी डेब्यू होगा। वहीं अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा भी इसी फिल्म से अपनी पारी की शुरुआत करेंगे। बता दें कि फिल्म के पोस्टर और टीजर कुछ वक्त पहले रिलीज हुए थे, जिन्हें मिक्स रिस्पॉन्स मिला था।

एमआईसी में भाजपा पार्षदों के शामिल होने की गूंज राजधानी तक

सम्मान कार्यक्रम में भाजपा ने नहीं बुलाया एमआईसी में शामिल पार्टी के 3 पार्षदों को

बगावत पर स्पष्टीकरण मांग सकता है संगठन, तीन पार्षदों ने किया था पार्टी के निर्देश को दरकिनार

कटनी, यशभारत। कटनी में एमआईसी का गठन भाजपा के लिए सिरदर्द बन गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार संगठन के स्पष्ट निर्देश के बावजूद इस मेयर इन कांउसिल में भाजपा के तीन पार्षद शामिल हो गए। पार्टी इस बगावत के रूप में देख रही है। इन पार्षदों को जिला भाजपा कार्यालय में आज आयोजित हुए पार्षदों के अभिनंदन समारोह में शामिल होने के लिए बुलावा नहीं भेजा गया। पार्टी सूत्रों ने बताया कि संगठन के निर्देश के बावजूद पार्षदों के एमआईसी में शामिल होने को लेकर गत दिनों भोपाल में संगठन के पदाधिकारियों तथा जिला प्रभारियों की बैठक में आलाकमान ने इस पर पूरा स्पष्टीकरण मांगा जिस पर जिलाध्यक्ष रामरतन पायल ने पार्टी की स्ट्रेटजी को स्पष्ट किया। बताया गया कि मेयर इन कांउसिल में शामिल होने को लेकर पार्टी ने काफी पहले ही यह साफ कर दिया था कि कोई भी भाजपा पार्षद इसमें शामिल नहीं होगा। खास बात यह है कि कांग्रेस ने भी मेयर इन कांउसिल से खुद को अलग कर लिया था, ऐसे में निर्दलीय महापौर के समक्ष एक तरह का संवैधानिक संकट खड़ा हो गया था। लेकिन अंतिम क्षणों में भाजपा पार्षद पूर्व नगर निगम अध्यक्ष संतोष शुक्ला, बीना बैनर्जी तथा तुलसा बेन इसमें

चित्र एमआईसी के गठन का जिसमें भाजपा के तीन पार्षद दिखलाई दे रहे हैं।

शामिल हो गए। खास बात यह है कि इनमें से दो पार्षद संतोष शुक्ला तथा बीना बैनर्जी भाजपा के कर्मठ नेताओं के रूप में जाने जाते थे। आखिर ऐसा क्या हुआ जो संगठन को दरकिनार का इन लोगों ने मेयर इन कांउसिल के लिए हामी भर दी। भाजपा सूत्रों की मानें तो पार्टी से इस अघोषित बगावत के पीछे संतोष शुक्ला का अध्यक्ष नहीं बन पाना तथा दूसरी पार्षद बीना बैनर्जी सीधे राष्ट्रीय अध्यक्ष का रिश्तेदार होना चर्चाओं में है। आपको बता दें कि वेंकट वार्ड की पार्षद बनीं बीना भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की सरहज हैं। स्वाभाविक है जब इतने प्रभावशाली परिवार से उनके संबंध हैं तो फिर भला स्थानीय स्तर पर क्यों किसी निर्देश को माना जाए। इधर तीसरा नाम गुलाब बेन की पत्नी तुलसा का है जो राजनीतिक रूप से किसी नेता व्यक्तिगत प्रभावित हैं। मतलब साफ है कि तीसरे पार्षद ने पार्टी के निर्देश को सिर्फ इसलिए तवज्जो नहीं दी क्योंकि उन्हें उनके प्रभावशाली नेता की तरफ से हरी झंडी थी। मेयर इन कांउसिल के गठन में शामिल होने के इस मसले को प्रदेश संगठन ने काफी गंभीरता से लिया है। आने वाले समय में इसे लेकर कोई बड़ी कार्रवाई भी हो जाए तो अचरज नहीं, लेकिन इससे एक बात तो तय है कि महापौर के चुनाव के वक्त पार्टी के कई लोगों की बगवात धीरे धीरे सामने आने लगी है। साफ है भाजपा के ही कई नेताओं ने अंदर ही अंदर प्रीति सूरी के लिए काम किया था। बहरहाल जब पार्षद ही प्रीति के साथ हो लिए जो छोटे आम कार्यकर्ताओं की क्या बिसात है। बताया गया कि इन पार्षदों ने व्यक्तिगत संबंधों को पार्टी से ज्यादा तवज्जो दी। चर्चा तो यह भी है कि इसमें से एक पार्षद के पति तो महापौर प्रीति सूरी के पति के साथ व्यवसायिक रूप से भी जुड़े रहे हैं। खैर अब देखने वाला यह होगा कि अगर सचमुच में पार्टी के निर्देश का उल्लंघन भाजपा के इन तीन पार्षदों ने किया है उन पर प्रदेश नेतृत्व क्या फैसला लेता है।

कल धूमधाम से निकलेगी दधिकांदो महोत्सव की शोभायात्रा

कटनी, यशभारत। बधाई उत्सव कमेटी के तत्वाधान में कल 21 अगस्त रविवार को दधिकांदो महोत्सव की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। जिसकी तैयारी पूर्णता की ओर है। कमेटी के संयोजक प्रेमप्रकाश दीक्षित, संजीव चौदहा, अभिषेक पुरवार, मनोज द्विवेदी, संतोष पाण्डेय, कृष्णा सोनी, अतीश खम्परिया ने बताया कि शोभायात्रा लक्ष्मीनारायण मंदिर से शाम 5 बजे प्रारंभ होगी। जालपा भगत मण्डली द्वारा महाआरती की जावेगी। बजरंग बाल रामायण समाज, मस्तराम अखाड़ा, रोजयोग केन्द्र, गहोई महिला समिति, शिवाजी अखाड़ा, भारत सेवादल, सतीश मोर केटर्स, सर्वशक्ति वूमेन पावर, पुरवार मंडल, सुशील बरसैंया, गोलू नामदेव द्वारा स्वचलित एवं जीवित झांकियां प्रस्तुत की जावेगी। समारोह में बधाई उत्सव कमेटी के सदस्य एवं पदाधिकारियों द्वारा झांकी भी लगाई जाएगी। महोत्सव में चार चांद लगाने के लिए मांझी व्यायाम शाला जबलपुर द्वारा व्यायाम प्रदर्शन एवं ऊंची मटकी फोड़ी जाएगी। सतगुरू अखाड़ा सागर द्वारा झाझंर प्रदर्शन, रोहित एंड पार्टी मेरठ, अक्षय निगम भोपाल के कलाकार द्वारा मनमोहक एवं आकर्षक नृत्य चल समारोह में प्रस्तुत किया जावेगा। समारोह में 9 फुट के जीवित हनुमान मेरठ, नागेश्वरमंदिर सागर के कलाकारों द्वारा प्रदर्शन, आरआरएस एकेडमी के बच्चों द्वारा स्केटिंग का चल समारोह में प्रदर्शन किया जायेगा। समारोह में बच्चों द्वारा कौतुक वेशभूषा में भाग लेंगे।

कन्हैया की एक झलक पाने उमड़ा जनसैलाब

घरों में धूमधाम से मनी जन्माष्टमी, मंदिरों में जीवित एवं चलित झांकियों ने मन मोहा

कटनी, यशभारत। यशोदानंदन भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव पर्व कल शुक्रवार को पूरे जिले में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर नटखट कन्हैया की विभिन्न लीलाओं को देखने अपार जनसमूह सड़कों पर उतर आया। शहर के सभी कृष्ण मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। लड्डू गोपाल की एक झलक पाने श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा गया। सबसे ज्यादा भीड़ सत्यनारायण मंदिर में देखी गई। यहां लोगों ने मेले का जमकर लुत्फ उठाया। रात 12 बजे रोहिणी नक्षत्र में जैसे ही नटखट कन्हैया का जन्म हुआ, वैसे ही नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयघोषों से पूरा आलम गूंज उठा। मंदिरों में शंख और घंटों की गूंज से पूरा वातावरण धर्ममय हो गया। पूजा अर्चना और महाआरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। मंदिरों में भगवान श्री कृष्ण का विशेष श्रंगार किया गया था। घरों में भी जन्माष्टमी का पर्व अपार उत्साह के बीच मनाया गया। सत्यनारायण मंदिर के साथ ही कमानिया गेट स्थित महालक्ष्मी मंदिर, सिल्वर टॉकीज कम्पाउण्ड स्थित गोविन्द देव जी मंदिर, मघई मंदिर एवं लक्ष्मीनारायण मंदिर में दर्शनार्थियों का तांता लगा रहा। नटखट कन्हैया की एक झलक पाने लोग टूट पड़े। झांकियों के अलावा महिलाओं, पुरूषों और बच्चों ने चटपटी चाट और अन्य स्वादिष्ट व्यंजनों का भी भरपूर लुत्फ उठाया। मंदिरों में एक पखवाड़े से यशोदानंदन की झांकियों की तैयारियां चल रही थीं, जिन्हें जन्माष्टमी की सांझ ढलते ही दर्शनार्थियों के लिए खोल दिया गया। कटनी में कृष्ण जन्म का यह महोत्सव पूरी भव्यता और धूमधाम से मनाने की परम्परा पुरानी है। साल-दर-साल यह उत्सव और अधिक भव्यतम स्वरूप लेता जा रहा है। मंदिरों के साथ ही घर-घर पूजा अर्चना की गई। रोहिणी नक्षत्र में कृष्ण जन्म की पूजा हुई। रात्रि 12 बजते ही शंखों, घंटे, घड़ियालों की आवाजें गूंजने लगीं।

सत्यनारायण मंदिर में उमड़ी भारी भीड़

दो साल बाद सत्यनारायण मंदिर में जन्माष्टमी के पर्व पर भव्य मेले का आयोजन किया गया था। जिसके चलते इस बार मेले में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। आलम यह था कि शाम 7 बजे से श्रद्धालु भगवान के दर्शन के लिए यहां आने लगे थे। मेले को लेकर प्रशासन एवं पुलिस द्वारा आवश्यक इंतजाम किए गए थे। मौसम खुला होने के चलते लोगों ने भगवान के दर्शन करने के साथ ही मेले का जमकर लुत्फ उठाया। सत्यनारायण मंदिर में भीड़ ने पिछले सारे रिकार्ड तोड़ दिए। लोग पूरे परिवार के साथ माखन चोर-नंदकिशोर की लीलाएं देखने निकले। रात्रि 9 से 10 बजे के बीच स्थिति यह रही कि ओव्हर ब्रिज के ऊपर पैर रखने तक की जगह नहीं थी। रात्रि 11 बजे के बाद ही कुछ भीड़ कम हुई। झांकियों के दर्शन का सिलसिला रात्रि डेढ़ बजे तक चलता रहा। इसी तरह मस्तराम अखाड़ा स्थित रामजानकी मंदिर में भी विविध झांकियां सजाई गई थी।

रंगोली ने किया आकर्षित

सिल्वर टॉकीज कम्पाउण्ड स्थित गोविन्द देव जी मंदिर और महालक्ष्मी मंदिर में भी लोग माखनचोर मुरली मनोहर की लीलाओं को देखने उमड़ पड़े। गोविन्द देव जी मंदिर में पानी पर बनी रांगोली जनाकर्षण का केन्द्र रही। यहां भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव के दौरान भारी जनसमूह मौजूद रहा। महालक्ष्मी धर्मशाला में भी कमोबेश आलम यही रहा। लक्ष्मीनारायण मंदिर, मघई मंदिर समेत कुछ अन्य मंदिरों में भी मुरली मनोहर के दर्शनों को लोग उमड़ पड़े। सभी मंदिरों से इस बार पुलिस बन्दोबस्त तगड़ा रहा। पुलिस अधिकारी लगातार पेट्रोलिंग करते रहे, जबकि सत्यनारायण मंदिर में तो वरिष्ठ पुलिस अधिकारी पूरे समय मौजूद रहे। शहरी क्षेत्र के अलावा उपनगरीय क्षेत्रों और ग्रामीण इलाकों में भी जन्माष्टमी पर्व आस्था के साथ मनाया गया।

स्कूल की जर्जर छत का अफसरों ने किया मुआयना, जल्द होगा सुधार

जब तक सुधार कार्य नहीं होता तब तक दूसरी कक्षाओं में बैठेंगे छात्र, घंघरीकला स्कूल का मामला

यश भारत — खबर का असर

कटनी, यशभारत। शासकीय ईपीईएस माध्यमिक शाला घंघरीकला की छत जर्जर होने की खबर यशभारत में प्रकाशित होने के बाद प्रशासन ने संज्ञान लिया है। इसको लेकर कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने अधीनस्थ अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। जिसके बाद इंजीनियर ने मौके पर जाकर स्कूल की जर्जर छत का निरीक्षण किया है और जल्द ही सुधार कार्य कराए जाने की बात कही है। बताया जाता है कि जब तक सुधार कार्य नहीं हो जाता, तब बच्चों की कक्षाएं दूसरे कक्ष में लगाने के लिए कहा गया है। इसके अलावा स्कूल की सफाई, पानी की व्यवस्था के साथ ही स्कूल जाने वाले मार्ग पर गांव के लोगों द्वारा खुले में शौच को लेकर भी आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया है। स्कूल के स्टाफ और बच्चों के साथ ही अभिभावकों ने राहत की सांस ली है।

जिले में अधिकांश ऐसे स्कूल हैं, जो जर्जर और खस्ताहाल हो गए हैं। इन स्कूलों में बच्चे जान हथेली पर लेकर पढ़ाई कर रहे हैं, तो शिक्षक भी अपनी जान जोखिम पर डालकर अध्यापन करा रहे हैं, इसके बाद भी न तो शिक्षा विभाग के अधिकारी इस ओर ध्यान दे रहे थे और न ही प्रशासन। पिछले दिनों बहोरीबंद विकासखंड के अंतर्गत बाकल एवं गर्ल्स कॉलेज में क्लासरूम की छत गिरने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई। अब ताजा मामला जिला मुख्यालय से लगे शासकीय

यश भारत की खबर पर जिला प्रशासन ने लिया संज्ञान, जिला शिक्षा केन्द्र ने सुधार के लिए तैयार किया प्रस्ताव

ईपीईएस माध्यमिक शाला घंघरीकला का सामने आया, जहां स्कूल की छत जर्जर होने के बाद उसमे से प्लास्टर उखड़कर गिर रहा था। ऐसी स्थिति में स्कूल में कभी भी कोई हादसा हो सकता था। इसको लेकर स्कूल प्रबंधन द्वारा कईयों बार शिक्षा विभाग के अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराया गया लेकिन अधिकारियों ने इस ओर कोई रूचि नहीं दिखाई। यशभारत द्वारा 18 अगस्त को स्कूल की छत जर्जर, अफसर नहीं दे रहे ध्यान, कभी भी हो सकता है हादसा शीषक से 18 अगस्त को खबर प्रकाशित की, जिसके बाद प्रशासन के अधिकारियों ने इस खबर पर संज्ञान लिया।

जिला शिक्षा केन्द्र के इंजीनियर ने स्कूल पहुंचकर देखा जर्जर एवं छतिग्रस्त स्ट्रक्चर

यशभारत में खबर प्रकाशन के बाद गहरी निद्रा से जागे जिला प्रशासन के अधिकारियों ने अधीनस्थ अमले को स्कूल का निरीक्षण करते हुए आवश्यक सुधार कार्य के निर्देश दिए। निर्देश मिलने के बाद जिला शिक्षा केन्द्र के इंजीनियर स्कूल पहुंचे और जर्जर हो चुके स्ट्रक्चर को देखकर जल्द ही सुधार कार्य करवाने की बात कही। यह भी बताया गया है कि सोमवार को कटनी जनपद पंचायत के अधिकारी भी स्कूल का निरीक्षण करने के लिए पहुंचेंगे।

अब खुले में शौच पर वसूला जाएगा जुर्माना, ग्राम पंचायत सचिव के निर्देश

बताया जाता है कि स्कूल जाने वाले मार्ग पर गांव के लोगों द्वारा खुले में शौच किया जा रहा था, जबकि इस गांव को खुले में शौच से मुक्त घोषित किया जा चुका था, इसके बाद भी खुले में शौच की शिकायतें सामने आ रही थी। जानकारी के मुताबिक ग्राम पंचायत घंघरीकला की सचिव आराधना तिवारी ने खुले में शौच के लिए कल से जुर्माना राशि वसूल किए जाने की बात कही है।

स्कूल की छत जर्जर, अफसर नहीं दे रहे ध्यान, कभी भी हो सकता हादसा

कटनी, यशभारत। जर्जर स्कूल भवनों में सुधार की तरफ शिक्षा विभाग का बिल्कुल भी ध्यान नहीं है। ऐसे में इन स्कूलों में कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। बेफिक्र अफसर भी जान अनजान बने हुए हैं। पिछले दिनों बहोरीबंद विकासखंड के अंतर्गत बाकल एवं गर्ल्स कॉलेज में क्लासरूम की छत गिरने के बाद भी न तो शिक्षा विभाग के अधिकारी गहरी निद्रा से जागे और न ही जिला प्रशासन के अधिकारी। ऐसा लगता है कि प्रशासन किसी बड़ी हादसे के इंतजार में है।

जानकारी के शासकीय ईपीईएस माध्यमिक शाला घंघरीकला में शाला भवन अत्यंत ही जर्जर और खस्ताहाल हो गया है। स्थिति यह है कि छत से प्लस्टर निकलकर जमीन पर गिर रहा है और बच्चों के साथ कभी भी कोई हादसा हो सकता है। इसकी जानकारी विकासखंड स्रोत समन्वयक को भी दी गई है लेकिन इसके बाद भी सुधार कार्य अब तक शुरू नहीं किया गया है। बताया जाता है कि प्राथमिक विभाग के बरामदे की छत कई जगह से जर्जर हो चुकी है। आलम यह है कि छत का प्लास्टर कई जगह से उखड़ चुका है। कुछ दिन पहले छत का प्लास्टर अचानक भर भराकर गिर गया। यह तो गनीमत रही कि उस समय क्लासरूम में बच्चे नहीं थे, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। इसके अलावा ईपीईएस शाला में कई कमरों में दरारें आ गई हैं। छत में कई जगह से बरसाती पानी का रिसाव हो रहा है। जिससे बच्चों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। अभिभावकों ने कलेक्टर का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया है।

स्कूल में बिजली है, लेकिन बल्व की व्यवस्था नहीं

स्कूल में बिजली का कनेक्शन है लेकिन न तो यहां पर बल्व है और न ही एलईडी लाइट की व्यवस्था की गई है। गर्मी के मौसम में यहां के शिक्षकों के साथ ही बच्चों को कई तरह की दिक्कतें होती हैं। यहां पंखे भी नहीं लगे हुए हैं। शाला भवन का गेट एवं फर्श भी क्षतिग्रस्त हो चुका है। माध्यमिक शाला के रसोईघर की छत जर्जर हो चुकी है और यहां बिजली की भी व्यवस्था नहीं है। सरकार स्कूलों की स्थिति सुधारने की तरफ करोड़ो रूपए खर्च कर रही है लेकिन कटनी जिले के स्कूलों की हालत किसी से छिपी नहीं है।

स्कूल जाने वाले मार्ग के साथ ही परिसर की होगी सफाई

एक तरफ स्वच्छत भारत अभियान संचालित हो रहा है तो वहीं दूसरी तरफ ग्राम पंचायत घंघरीकला में इस अभियान की खुलेआम अव्हेलना की जा रही है। इसके अलावा शासकीय ईपीईएस माध्यमिक शाला घंघरीकला में भी साफ सफाई का अभाव बना हुआ है। बताया जाता है कि स्कूल परिसर की सफाई कराने के साथ ही पेयजल व्यवस्था के लिए स्कूल परिसर के अंदर हैंडपंप लगाए जाने के लिए भी कहा गया है।

इनका कहना है

जिले में जहां भी स्कूल भवन क्षतिग्रस्त हो गए हैं, उनमे समय-समय पर सुधार कार्य के लिए निर्देशित किया जाता है। जहां बिल्डिंग कमजोर हो गई है, वहां पर नए भवन के निर्माण का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा जा सकता है। घंघरीकला स्कूल भवन की छत जर्जर होने और उसमे से प्लास्टर उखड़कर गिरने की जानकारी मिलने के बाद जिला शिक्षा केन्द्र के इंजीनियर को भेजकर प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

-के के डेहरिया, डीपीसी

यदि यश भारत समय पर आप तक नहीं पहुंच रहा है तो संपर्क करें फोन :- 230033

किराये से देना है

शहर के मध्य क्षेत्र में स्थित होटल एण्ड रेस्टोरेंट (कैफे) न्यू बनकर तैयार है जिसमें ठहरने व खाने की व्यवस्था है। इसे शीघ्र किराये पर देना है। इच्छुक व्यक्ति शीघ्र संपर्क करें। स्थान- झण्डा बाजार, सुक्खन चौक मेन रोड कटनी

सम्पर्क करें
राजेश काँचकार (तोमर)
समय-3 से 8 बजे 07622-489806, 9301069264

प्लाट बिकाऊ हैं

राय कॉलोनी, शांतिनगर, बारह बंगला एवं समदड़िया सिटी के पास प्लाट बिकाऊ हैं।
रेट 1000/- से 1200/- तक
अधिक जानकरी हेतु संपर्क करें.मो. 9993705740

a Sainik Conduct Disciplined Degree College — Time : 10:30 to 12:30 Only
B.Ed. D.Pharma LL.B. BBA
SILICOBYTE सिलिकोबाइट
KDC Katni Degree College (Group of Education)
आधारकाप, नई बस्ती, कटनी. 9981435977

श्रमधाम कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय कैमोर जिला-कटनी म.प्र.

आवश्यकता है

महाविद्यालय में कॉलेज कोड 28 के अन्तर्गत निम्न पदों पर भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित है-

1.	प्राचार्य	01 पद
2.	सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र	01 पद
3.	सहायक प्राध्यापक राजनीति शास्त्र	01 पद
4.	सहायक प्राध्यापक अंग्रेजी	01 पद
5.	लेखापाल	01 पद
6.	कम्प्यूटर आपरेटर	01 पद

योग्यता:- स.क्र.1,2,3,4 हेतु यू.जी.सी. के नियमानुसार
स.क्र. 5-एम.कॉम., पी.जी.डी.सी.ए.
स.क्र.-6 डिग्री उपाधि, बी.सी.ए. (हिन्दी अंग्रेजी टायपिंग में 50 शब्द प्रति मिनिट स्पीड)

आवेदन तिथि- आवेदन, विज्ञापन प्रकाशित दिनांक से 15 दिनों के अन्दर समस्त प्रमाण-पत्रों सहित निम्न पते पर-ई-मेल पर भेजा जावे।

श्री के.के. चन्द्रा, अध्यक्ष
श्रमधाम कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, कैमोर 483880, जिला-कटनी (म.प्र.)
मो. 8989191999, 7987122096
(1) sdckymore@yahoo.co.in (2) kkchandra99@gmail.com

SHRI HOSPITAL KATNI

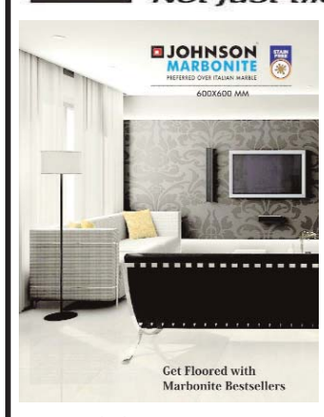

विश्वसनीय आईसीयू केयर, जनरल दूरबीन एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन, फिजीशियन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
सुपर स्पेशलिस्ट विशेषज्ञ द्वारा दांतों के सभी प्रकार के इलाज की सुविधा उपलब्ध है।

डॉ. शोभित प्यासी — बी.डी.एस./एम.डी.एस. रूट कैनाल विशेषज्ञ
डॉ. उपासना स्थापक — बी.डी.एस./एम.डी.एस. पाइरिया एवं इम्पलांट विशेषज्ञ

संपर्क करें: श्री हॉस्पिटल एम०एम० चौबे वार्ड बरगवां कटनी
9425325316, 9425151543, 9752414316

HOTEL GRAND MERIDIAN

Facilities: Luxury Rooms, Banquet Hall, Conference Hall, Free Wifi, Cinema, Restaurant, Bar, Car Parking

City Mall, Near Main Railway Station, Barhi Road, Katni MP 483501
Contact-07622-422403,422404,422405 www.hotelgrandmeridian.com

JOHNSON® Not just tiles, Lifestyles.

सभी प्रकार के ग्रेनाईट टाईल्स, इटेलियन मार्बल, सिन्क, कोटा, कड़प्पा पत्थर होलसेल रेट पर मिलने का एकमात्र स्थान

समर्थ मार्बल एण्ड ग्रेनाईट

पता- टीवीएस शोरूम के बाजू में जबलपुर रोड, बरगवां कटनी मो. 9425153498, 7067666668

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा जनपक्ष प्रिंटिंग एवं पब्लिशिंग, गोपालबाग जबलपुर-2 से मुद्रित एवं कचहरी चौक कटनी से प्रकाशित। सम्पादक-श्याम कटारे एवं स्थानीय सम्पादक-आशीष सोनी*। फोन (07622) 406666, 230033, जबलपुर कार्यालय फोन- (0761) 2643333, 2646666 फैक्स (0761) 4084085 डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/ 26/22-24 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/21090. email - katni@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)